वर्ष:- 06
अंक:- 33
मुरादाबाद
(Sunday)
24 May 2026
पृष्ठ:-8
मूल्य:- 3.00 रूपया

दैनिक प्रातः कालीन
क्यूँ न लिखूँ सच
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
मुरादाबाद से प्रकाशित
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

पीएम मोदी ने भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी, बताया युवा और ऊर्जावान नेता

प्रधानमंत्री मोदी ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन को जन्मदिन की बधाई दी। उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष को युवा और ऊर्जावान नेता बताया है। इसके साथ ही अन्य भाजपा नेताओं ने भी नितिन नवीन को जन्मदिन के अवसर पर शुकामनाएं दी हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का जन्मदिन है। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। इसके साथ ही उन्हों राष्ट्रीय अध्यक्ष को एक युवा और ऊर्जावान नेता बताया। आगे उन्होंने कहा कि उनके काम में सेवा और राष्ट्र-निर्माण के आदर्शों के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता की झलक मिलती है। इस दौरान, पीएम मोदी ने उनके दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना की।पीएम मोदी ने कही यह बात- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, %भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। एक युवा और ऊर्जावान नेता के रूप में उन्होंने संगठन को मजबूत बनाने और कार्यकर्ताओं को सशक्त करने के लिए स्वयं को पूर्ण समर्पण के साथ समर्पित किया है। उनकी सोच, ऊर्जावान नेतृत्व और संगठनात्मक कार्य व प्रशासन की गहरी समझ ने उन्हें व्यापक सम्मान दिलाया है। उनका कार्य सेवा और राष्ट्र निर्माण के आदर्शों के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। राष्ट्र की निरंतर सेवा के लिए मैं उनके दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं। गृह मंत्री अमित शाह ने भी दी बधाई- केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी नितिन नवीन को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी है। उन्होंने पोस्ट किया, %भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। आपका सरल व्यक्तित्व, संगठन के प्रति समर्पण और कार्यकर्ताओं में सेवा व कर्त्तव्य भाव को बढ़ावा देने का सतत प्रयास, पार्टी को और भी सशक्त बनाता रहेगा। ईश्वर से आपके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और सफल जीवन की कामना करता हूं।% %कम समय में ही अपनी सक्रिय कार्यशैली%- केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने नितिन नवीन को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए लिखा, %युवा और ऊर्जावान नेतृत्व के रूप में आपने कम समय में ही अपनी सक्रिय कार्यशैली, संगठनात्मक समझ और कार्यकर्ताओं को साथ लेकर चलने की क्षमता से सभी के बीच विशेष पहचान बनाई है। संगठन को मजबूत करने के प्रति आपका समर्पण और सकारात्मक दृष्टिकोण अत्यंत सराहनीय है। ईश्वर से आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना करता हूं।%उत्तर प्रदेश और दिल्ली की मुख्यमंत्री ने भी दी बधाई- उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लिखा, %युवा ऊर्जा के प्रतीक और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन को जन्मदिन की हार्दिक बधाई। आपके कुशल नेतृत्व में संगठन और सभी कर्मठ कार्यकर्ताओं में राष्ट्र प्रथम का भाव और सुदृढ़ हुआ है। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि आपको उत्तम स्वास्थ्य, सुदीर्घ व सुयशपूर्ण जीवन की प्राप्ति हो।% दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने नितिन नवीन को बधाई देते हुए पोस्ट किया, %आपकी दूरदर्शी सोच और समर्पित कार्यशैली से संगठन निरंतर सशक्त हो रहा है। आपका प्रेरणादायी मार्गदर्शन हम सभी कार्यकर्ताओं को सदैव नई ऊर्जा, उत्साह और राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण की प्रेरणा देता है। प्रभु श्रीराम से आपके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु जीवन की मंगलकामना करती हूं।%

योगी बोले- कोई बच्चा आर्थिक मजबूरी में शिक्षा से वंचित न रहे, 75 जनपदों में लागू होगी श्रमिक विद्या योजना

योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिए हैं कि आर्थिक मजबूरी के कारण कोई बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। बाल श्रमिक विद्या योजना अब प्रदेश के सभी 75 जिलों में लागू होगी। सरकार कौशल विकास, रोजगार मेले, सेवामित्र व्यवस्था और श्रमिक सुविधा केंद्रों को मजबूत कर युवाओं और श्रमिकों को बेहतर अवसर देने पर जोर दे रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रमिक कल्याण, कौशल विकास और रोजगार सृजन को और व्यापक तथा परिणाममुखी बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। उन्होंने बाल श्रमिक विद्या योजना को प्रदेश के सभी 75 जनपदों में विस्तारित करने, 'सेवामित्र व्यवस्था' को और प्रभावी बनाने, निर्माण श्रमिकों के लिए बड़े शहरों में आधुनिक श्रमिक सुविधा केंद्र विकसित करने तथा रोजगार मिशन को वैश्विक अवसरों से जोड़ने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा है कि श्रमिक केवल उत्पादन प्रक्रिया का हिस्सा नहीं, बल्कि राज्य की अर्थव्यवस्था और प्रगति की सबसे बड़ी शक्ति हैं। सरकार की प्राथमिकता है कि श्रमिकों, युवाओं और कमजोर वर्गों को सम्मानजनक जीवन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुरक्षित कार्य वातावरण और बेहतर रोजगार अवसर उपलब्ध हों।शनिवार को श्रम एवं सेवायोजन विभाग की विभिन्न योजनाओं, कार्यक्रमों और प्रस्तावित योजनाओं की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी बच्चा आर्थिक मजबूरी के कारण शिक्षा से वंचित न रहे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बाल श्रम प्रभावित क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर बच्चों को विद्यालयों से जोड़ा जाए और उनके पुनर्वास की प्रक्रिया को प्रभावी बनाया जाएउन्होंने कहा कि निजी क्षेत्र के सहयोग से इन बच्चों के कौशल विकास की कार्ययोजना भी तैयार की जाए। मुख्यमंत्री ने 'सेवामित्र व्यवस्था' को रोजगार और जनसुविधा का अभिनव मॉडल बताते हुए कहा कि तकनीक आधारित ऐसी व्यवस्थाएं युवाओं और कुशल कामगारों के लिए नए अवसर तैयार करती हैं। उन्होंने इसे और अधिक प्रभावी तथा जनोपयोगी बनाने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि वर्ष 2021 से संचालित इस व्यवस्था के तहत नागरिक मोबाइल ऐप, वेब पोर्टल अथवा कॉल सेंटर के माध्यम से घरेलू सेवाएं प्राप्त कर सकते हैं।

वर्तमान में पोर्टल पर 1097 सेवा प्रदाता, 5049 सेवामित्र और 54,747 कुशल कामगार पंजीकृत हैं। मुख्यमंत्री ने सरकारी विभागों में भी आवश्यकता के अनुसार सेवामित्र व्यवस्था के उपयोग के प्रस्ताव को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि इससे पारदर्शिता बढ़ेगी तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री ने श्रम विभाग में हुए संस्थागत सुधारों की सराहना करते हुए कहा कि उद्योगों के अनुकूल वातावरण और श्रमिक हितों के बीच संतुलन बनाना सरकार की नीति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में अब तक 32,583 कारखाने पंजीकृत हो चुके हैं। मार्च 2017 तक जहां यह संख्या 14,176 थी, वहीं अप्रैल 2017 के बाद 18,407 नए कारखानों का पंजीकरण हुआ है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में 4860 कारखानों का पंजीकरण किया गया। विभाग को बीआरएपी सुधारों के क्रियान्वयन में 'टॉप अचीवर' के रूप में मान्यता प्राप्त हुई है तथा उद्योग समागम 2025 में श्रम क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए सम्मानित किया गया। आवास सुविधा उपलब्ध कराना भी आवश्यक- मुख्यमंत्री ने निर्माण श्रमिकों के लिए सभी औद्योगिक शहरों में प्रस्तावित श्रमिक सुविधा केंद्रों यानी 'लेबर अड्डों' को व्यवस्थित रूप से विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन केंद्रों को केवल श्रमिकों के एकत्रीकरण स्थल के रूप में नहीं, बल्कि श्रमिक सहायता एवं सुविधा केंद्र के रूप में विकसित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि बड़ी संख्या में दूसरे क्षेत्रों से आने वाले श्रमिकों के लिए सुरक्षित और व्यवस्थित आवास सुविधा उपलब्ध कराना भी आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने कानपुर में प्रस्तावित औद्योगिक श्रमिक प्रशिक्षण संस्थान और छात्रावास योजना को कौशल विकास की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताते हुए कहा कि उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षित मानव संसाधन तैयार करना समय की मांग है।

जनता की कमाई को किश्तों में लूटा जा रहा है, ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी पर खरगे का केंद्र पर हमला

लगातार आठ दिनों में तीसरी बार पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ने पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र सरकार पर जनता की कमाई किस्तों में लूटने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि दुनिया के कई देशों ने ईंधन पर राहत दी, जबकि भारत में लगातार दाम बढ़ाए जा रहे हैं।देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी को लेकर सियासत तेज हो गई है। लगातार आठ दिनों में तीसरी बार ईंधन के दाम बढ़ने के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को केंद्र सरकार पर जनता की कमाई किस्तों में लूटने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें कम होने के बावजूद सरकार ने लोगों को राहत नहीं दी, बल्कि टैक्स बढ़ाकर जनता पर बोझ डाला।खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर हिंदी में पोस्ट करते हुए कहा कि देश में नेतृत्व का संकट है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब पश्चिम एशिया में युद्ध जैसी स्थिति बनी और दुनिया के कई देशों ने अपने नागरिकों को राहत दी, तब भारत में भाजपा सरकार लगातार पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाकर आम लोगों की जेब पर चोट कर रही है।उन्होंने कहा कि पेट्रोल अब कई जगहों पर 100 रुपये प्रति लीटर के पार पहुंच चुका है और सरकार किस्तों में जनता की कमाई लूट रही है। खरगे ने दावा किया कि पेट्रोल-डीजल पर केंद्र सरकार रोजाना लगभग 1,000 करोड़ रुपये का टैक्स वसूल रही है। उन्होंने कहा कि जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें कम थीं, तब सरकार ने उसका फायदा जनता तक नहीं पहुंचाया।कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि संकट के समय भाजपा नेतृत्व चुनावों में व्यस्त रहा और चुनाव खत्म होते ही लोगों को त्याग का संदेश दिया जाने लगा। उन्होंने कहा कि सिर्फ आठ दिनों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें तीन बार बढ़ा दी गईं। किन देशों का दिया उदाहरण?- खरगे ने कई देशों का उदाहरण देते हुए कहा कि इटली ने ईंधन पर एक्साइज ड्यूटी घटाकर लोगों को राहत दी। ऑस्ट्रेलिया ने भी टैक्स कम कर पेट्रोल की कीमतों में करीब 17 रुपये प्रति लीटर तक राहत दी। उन्होंने कहा कि जर्मनी ने तेल पर टैक्स घटाकर कीमतों में 17 से 19 रुपये प्रति लीटर तक कमी की। ब्रिटेन ने परिवारों को 100 पाउंड की सहायता देने के साथ ईंधन और बिजली पर टैक्स कम किए। आयरलैंड ने भी राहत पैकेज देकर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कटौती की। खरगे ने केंद्र पर साधा निशाना- खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए पूछा कि इस किस्तों वाली लूट में हिस्सा किस-किस को मिल रहा है? उन्होंने कहा कि अब 140 करोड़ भारतीय समझ चुके हैं कि सरकार का असली संकट नेतृत्व का है। दरअसल, शनिवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में फिर बढ़ोतरी की गई। सरकारी तेल कंपनियों ने पेट्रोल के दाम में 87 पैसे प्रति लीटर और डीजल में 91 पैसे प्रति लीटर तक का इजाफा किया। इससे पिछले दस दिनों में ईंधन की कीमतों में कुल मिलाकर लगभग 5 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी हो चुकी है। इससे पहले 15 मई को पेट्रोल और डीजल दोनों के दाम में 3 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई थी। इसके बाद 19 मई को फिर करीब 90 पैसे प्रति लीटर की वृद्धि हुई। अब तीसरी बढ़ोतरी के बाद आम लोगों पर महंगाई का दबाव और बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

पीएम मोदी पर अमर्यादित टिप्पणी का मामला, अजय राय और 30 समर्थकों पर एफआईआर, अधिवक्ता ने सौंपी 'पेन ड्राइव'

नीट छात्रा से मिलने पहुंचे कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय, प्रदेश सचिव बृजराज सिंह और 30 समर्थकों पर पीएम मोदी पर अमर्यादित टिप्पणी करने व सरकारी कार्य में बाधा डालने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है। एएसपी वंदना सिंह ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

महोबा जिले में अपहरण व दुष्कर्म का आरोप लगाने वाली नीट की तैयारी कर रही छात्रा से मिलने आए कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय की मुश्किलें बढ़ गईं हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अमर्यादित टिप्पणी करने के मामले में भाजपा जिला कार्य समिति सदस्य और अधिवक्ता नीरज रावत की तहरीर पर अजय राय, निवर्तमान प्रदेश सचिव बृजराज सिंह समेत 30 समर्थकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। मध्यप्रदेश के जनपद छतरपुर के एक गांव निवासी 25 वर्षीय युवती महोबा में किराये का कमरा लेकर नीट की तैयारी कर रही थी। 30 अप्रैल को वह लाइब्रेरी से घर लौटते समय लापता हो गई थी। 16 दिन बाद युवती को पुलिस ने बरामद किया था। युवती ने आरोपियों पर अपहरण, दुष्कर्म व प्रताड़ित करने का आरोप लगाया था।

हालांकि, बाद में युवती का शादी करते वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ।पीएम के खिलाफ अपशब्द कहते सुनाई दे रहे हैं- इसमें स्वेच्छा से विवाह किए जाने जैसे तथ्य दिखाई दिए।

इसके बाद से यह मामला बदलता नजर आने लगा। शुक्रवार को कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय महोबा पहुंचे और नीट की तैयारी कर रही छात्रा से पूरी घटना की जानकारी ली। पीड़िता से मिलकर जाते समय कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष का एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ, जिसमें वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अपशब्द कहते सुनाई दे रहे हैं। 15-16 गाड़ियों के काफिले के साथ पहुंचे थे अजय राय- प्रधानमंत्री पर अमर्यादित टिप्पणी के बाद भाजपाई आक्रोशित हो गए। अधिवक्ता नीरज रावत ने शहर कोतवाली में तहरीर देकर बताया कि 22 मई को बिना प्रशासनिक अनुमति के कार्यक्रम आयोजित किया गया था। आरोप लगाया कि अजय राय 15-16 गाड़ियों के काफिले और दर्जनों समर्थकों के साथ मौके पर पहुंचे। वाहनों को सड़क पर अव्यवस्थित तरीके से खड़ा किया गया। इससे रास्ता बाधित हो गया।विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज- ड्यूटी पर तैनात पुलिस और प्रशासनिक कर्मचारियों को शांति व्यवस्था बनाए रखने में मशक्कत करनी पड़ी। उन्होंने वायरल वीडियो की पैन ड्राइव पुलिस को साक्ष्य के तौर पर सौंपी। अपर पुलिस अधीक्षक वंदना सिंह का कहना है कि प्रधानमंत्री पर आपत्तिजनक टिप्पणी किए जाने के मामले में तहरीर मिली है। तहरीर के आधार पर सरकारी कार्य में बाधा समेत विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है। मामले की जांच कराई जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

राज्यसभा की याचिका समिति के अध्यक्ष बने राघव चड्ढा, सभापति सीपी राधाकृष्णन ने किया मनोनीत

आम आदमी पार्टी छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा को बड़ी जिम्मेदारी मिली है। उन्हें राज्यसभा की याचिका समिति का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।आप पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हुए राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा को एक बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। राघव चड्ढा को उच्च सदन यानी राज्यसभा की याचिका समिति का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने इस समिति का पुनर्गठन करते हुए इसमें दस सदस्यों को नामांकित किया है। राघव चड्ढा की यह नियुक्ति तुरंत प्रभाव से लागू हो गई है।राज्यसभा सचिवालय ने जारी की अधिसूचना- राज्यसभा सचिवालय की ओर से जारी एक आधिकारिक अधिसूचना में इस नियुक्ति की पुष्टि की गई है। अधिसूचना में कहा गया है कि सभापति सीपी राधाकृष्णन ने याचिका समिति का पुनर्गठन किया है, जो 20 मई से प्रभावी हो गया है। राघव चड्ढा को इस महत्वपूर्ण समिति का अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। त में राघव चड्ढा के अलावा देश के कई अन्य प्रमुख सांसदों को शामिल किया गया है। इस समिति के अन्य सदस्य हर्ष महाजन, गुलाम अली, शंभू शरण पटेल, मयंककुमार नायक, मस्तान राव यादव बीधा, जेबी माथेर हिशाम, सुभाशीष खुंटिया, रोंगवरा नारजारी और संदोष कुमार पी हैं।

संपादकीय Editorial

Weather Attack

The scorching sun has penetrated Himachal's surroundings, not only bringing a powerful sense of heat, but also turning the faces of Shimla, the queen of the mountains, red.

With temperatures rising below 44 degrees Celsius in Una, many obstacles and life's harshest trials have begun. Just one degree behind, Baddi has also become a tangle of challenges. Heat waves are ravaging the entire state, from Paonta Sahib, Solan, and Bilaspur, impacting life and the economy. Farmers, gardeners, students, and consumers are suffering, and we are all responsible for this situation. Himachal's emptiness, negligence, and insensitivity are being witnessed in the throes of the scorching heat.

If temperatures from the plains to the mountains are astonishing, we are to blame for turning the mountainous environment into a graveyard. Some policies and our materialistic approach to development have created an imbalance with nature. As a result, despite declaring 68 percent of our land forested, we are heating up the winds and remaining deprived of the shade of forests. Ironically, the Forest Department, which has been cultivating pine forests, failed to realize that their trees would only defoliate in the summer, igniting widespread fires. The pine's relationship with the mountains has only proven positive in statistics. The afforestation initiatives adopted by the Forest Department since the 1970s are now turning into dry stumps, like matchsticks in summer. The news hasn't been so dire, but when the sun burns the forests above 35 degrees, the environment will become a matchbox.

To strengthen our relationship with forests and climate, broadleaf plants need proper care. Our neighboring state, Uttarakhand, chose to bid farewell to pine forests after a court battle, and achieved some success. Similarly, forest conservation should not mean counting pine trees in the forest, but rather raising the slogan of environmental protection. If environmental conservation concepts and policies are not strengthened for the Himalayan glaciers, lakes, and rivers, then the onslaught of weather will destroy our very shelter. The increasing heat in Himachal has affected education, agriculture, horticulture, irrigation, water supply, and electricity.

Therefore, to ensure children's attendance in schools, we must first emphasize preventive and relief measures beyond the timeframe. Similarly, innovative measures must be considered for water storage and distribution for agricultural and horticultural needs.

Ironically, we have allocated all of Himachal's water to large dam projects without considering the need to build permanent dams for irrigation and water supply. Our heat is a warning sign of our rainfall, and heavy rains become a warning sign of extreme cold. Therefore, given the impact of climate change on the seasons, our agricultural and horticultural universities must adjust their research standards for innovation, technology, and suitable seeds. The Education Department also needs to adjust the holiday calendar to accommodate the changing patterns of summer, rain, and winter.

Seven Jugalbandhis in Indian Politics: Their Profound Impact on the Country's Geographic, Economic, and Social Conditions

Since independence, the country has seen seven political coups that have impacted the nation's geographic, economic, and social conditions. Their tenures have had a profound impact on people's lives. On August 6, 2019, I was having coffee with some colleagues at the Indian Institute of Science in Bengaluru. We were discussing the abrogation of Article 370 in Kashmir the previous day. A young computer scientist remarked, "Now we are faced with Shah 1.0, not Modi 2.0." This comment came about because Home Minister Amit Shah had planned and implemented the abolition of the special status of India's only Muslim-majority state. Perhaps it's an exaggeration to call it "Shah 1.0," but there's no doubt now that Amit Shah is the most powerful person in the government after the Prime Minister, and the only minister with real authority and the ability to make independent decisions. This political alliance between Modi and Shah isn't unique in Indian politics. The partnership between Jawaharlal Nehru and Vallabhbhai Patel in the early years of independent India is a prime example. Today's politics portrays them as rivals and adversaries, whereas in reality, they were friends, allies, and co-workers. If the creation of a united and democratic India was possible amidst the tragedy, deprivation, conflict, and social divisions of Partition is largely due to the alliance between Nehru and Patel. Patel played a key role in unifying India geographically—he merged the princely states, modernized the administrative system, controlled the extremist elements of the Hindu right and communist left, and created an environment supportive of the constitution-making process, led by Dr. Bhimrao Ambedkar. Nehru, on the other hand, worked to unite India emotionally. He advocated equal rights for religious and linguistic minorities and women, and strongly supported universal adult suffrage despite strong elite opposition. Nehru and Patel certainly had their differences, but they overcame them to prioritize national interest. It is also true that they enjoyed the support of talented ministers and capable bureaucrats like Ambedkar. Nevertheless, historians have convincingly demonstrated that their partnership played a decisive role in shaping a fragmented India into a unified nation. After Patel's death in December 1950 and Ambedkar's resignation the following year, Nehru became the most influential leader in the cabinet, a position perhaps not entirely beneficial. The next major "duo" in Indian politics emerged in the late 1960s, when Prime Minister Indira Gandhi appointed former diplomat P.N. Haksar as her Principal Secretary. Haksar soon became more influential than any of Indira Gandhi's ministers. Between 1970 and 1975, he was her most trusted aide and key advisor. He played a key role in planning Indira Gandhi's greatest political success, the Bangladesh Liberation War. He also contributed to the promotion of high-quality scientific development in crucial sectors such as agriculture and space. However, this also had a downside. Haksar was instrumental in formulating Indira Gandhi's economic policies based on centralization and government control, which ultimately harmed the country. In 1975, P.N. Haksar was sidelined and replaced by Prime Minister Indira Gandhi's son, Sanjay Gandhi. This partnership between Indira Gandhi and Sanjay Gandhi was responsible for leading the country towards authoritarianism. The suppression of civil liberties, censorship of the press, control of the judiciary, subjugation of the bureaucracy and police by a mother-son duo, and the imprisonment of all political opponents—all these were characteristic of that era, and unlike the Indira Gandhi-Haksar partnership, this alliance had no positive aspects. The next important partnership that emerged in government was that of P.V. Narasimha Rao and Manmohan Singh. As Prime Minister and Finance Minister between 1991 and 1996, they played a key role in freeing the country from the license-permit-quota raj. The economic reforms they initiated paved the way for three decades of steady economic growth, reducing poverty, leading to the emergence of a large middle class, and enhancing India's global standing. This was followed by the partnership between Atal Bihari Vajpayee and Advani. Together, they established the BJP as the main national rival to the Congress in the 1980s and 1990s. When the BJP was in power between 1998 and 2004, Vajpayee served as Prime Minister and Advani as Home Minister. They continued the economic liberalization initiated by Rao and Manmohan Singh, with the help of capable ministers like Yashwant Sinha and Jaswant Singh. Because their government was based on a multi-party coalition, the majoritarian tendencies of the Sangh Parivar were not given the opportunity to fully operate. In 2004, the BJP was unexpectedly voted out of power. For the next ten years, the country was ruled by a Congress-led multi-party coalition. Once again, two individuals held the most power: Prime Minister Manmohan Singh and Congress President Sonia Gandhi. Under Manmohan Singh's leadership, the country's economic progress remained impressive, While significant efforts were made to build a social security system for the poor under the guidance of Sonia Gandhi and her National Advisory Council, the achievements of this partnership were overshadowed by who held the keys to power. Power should have rested with the Prime Minister, but Manmohan Singh, a naturally reserved and risk-averse leader, allowed Sonia Gandhi to interfere excessively even in matters that should have been his domain, such as education policy. The Modi-Shah alliance has slowed economic progress. Furthermore, their tenure has seen a sustained attack on the Indian tradition of social and cultural pluralism. However, I refrain from assigning marks or ranking the seven alliances mentioned in this article. Nevertheless, I consider the Nehru-Patel alliance to be superior and constructive. I do not see the Indira Gandhi-Sanjay Gandhi and Narendra Modi-Amit Shah alliances as serving the nation's interests.

India-Bangladesh Border: How long is the India-Bangladesh border, and how will the work be completed?

The total length of the international border between India and Bangladesh is 4,096.7 kilometers. It is India's longest land border and the fifth-longest land border in the world. This border passes through five Indian states. Both Prime Minister Modi and Home Minister Shah stated during the Bengal Assembly election campaign that the fencing work along the Bengal-Bangladesh border would be completed within 45 days of the BJP forming a government in Bengal. Chief Minister Suvendu Adhikari took the first decision on this issue in his first cabinet meeting. The international border between Bengal and Bangladesh is 2,216.7 kilometers long. A total of nine districts of Bengal share an international border with Bangladesh. Cooch Behar, Jalpaiguri, Darjeeling, North Dinajpur, South Dinajpur, Malda, Murshidabad, Nadia, and North 24 Parganas. The total length of the India-Bangladesh international border is 4,096.7 kilometers. It is India's longest land border and the fifth longest in the world. This border passes through five Indian states: Bengal - 2,216.7 kilometers, Tripura - 856 kilometers, Meghalaya - 443 kilometers, Mizoram - 318 kilometers, and Assam - 263 kilometers.

Bengal shares approximately 569 kilometers of this 2,216.7 kilometer unprotected border with Bangladesh, but the areas of Malda and Murshidabad are considered the most notorious. Due to the lack of fencing here, Bangladeshi infiltrators easily cross the border and enter India. The remaining approximately 113 kilometers of border area, which remains unfenced, is unsuitable for fencing due to rivers and lakes. Due to geographical reasons, permanent barbed wire fencing is difficult in some areas due to rivers and sandy banks, forcing the government to use alternative surveillance measures such as floating BOPs and floodlighting. Security and surveillance of this border is handled by the Border Security Force. Infiltration has been a major concern; fencing was not possible due to the previous state government's refusal to provide land. This has led to an increase in infiltration. Data shows that 1,547 infiltrators were arrested in 2023 and 1,694 in 2024 along the Bengal border with Bangladesh. This number further increased in 2025. This includes cattle and drugs. Fake currency, weapons, and narcotics are also smuggled on a large scale. Cross-border criminals steal ripe crops and cattle from Indian farmers' fields. The infiltrators, who were a fixed vote bank of the previous government, had a strong presence. Now that the land has been acquired, this entire area can be fenced soon, which will stop such illegal infiltration. However, it's not that the BSF doesn't monitor this unfenced area. But once the fencing is complete, it will be properly monitored, significantly reducing the risk of infiltration from anywhere. In fact, the biggest infiltration problem was occurring along the Bengal-Bangladesh border. While 1647.7 kilometers of the 2216.7 kilometer border has been fenced with barbed wire, the remaining 569 kilometers remain unfenced. Most infiltration attempts originate from these unfenced, open border areas. Following Mamata Banerjee's defeat, the Union Home Ministry and the BSF have intensified preparations after the BJP government, led by Chief Minister Suvendu Adhikari, announced that it would allot land to the BSF within 45 days. This will now curb infiltration from Bangladesh. Special security arrangements will be made along the Bengal-Bangladesh border. Smart anti-cut fencing will be installed along the border. Cameras and drones equipped with AI technology will also be used for security. This will necessitate the creation of 12 to 15 more BSF battalions. More BOPs will also be established along the border. Some political parties in Bangladesh have reacted to the Bengal government's historic decision and firm stance to hand over land to the Border Security Force within 45 days for the pending border fencing. Meanwhile, district officials in nine districts across Bengal have joined forces with the Border Security Force to transfer land. However, Nandini Chakraborty, Mamata Banerjee's most trusted and the first female Home Secretary, will have a major task as the principal coordinator of development projects. This first task will be to ensure the smooth completion of the land transfer process to the Border Security Force for the construction of barbed wire fencing along the state's international border with Bangladesh.

गोली एक और मौत दोः मां-पापा ऐसा कदम उठाएंगे सोचा न था, जान देने वाले बर्तन व्यापारी और पत्नी को थी ये बीमारी

रामपुर में दंपती गोलीकांड से परिवार सदमे में है। कई पहलुओं पर जांच जारी है। पुलिस को मौके से सुनील रस्तोगी की 15 पेज की डायरी भी मिली थी। डायरी में उन्होंने अवसाद, आर्थिक परेशानियों, पारिवारिक जिम्मेदारियों और पत्नी की बीमारी का जिक्र किया था। यूपी के रामपुर जिले के शाहबाद कस्बे के मुख्य बाजार में हुए दंपती गोलीकांड के बाद पूरे नगर में शोक का माहौल है। बर्तन व्यापारी सुनील रस्तोगी और उनकी पत्नी नेहा रस्तोगी की मौत के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। बेटे पीयूष रस्तोगी और बेटी कृषि रस्तोगी का रो-रोकर बुरा हाल है। दोनों का कहना है कि उन्हें कभी अंदाजा नहीं था कि उनके माता-पिता इतना बड़ा कदम उठा लेंगे।बताया जा रहा है कि आर्थिक तंगी, पारिवारिक जिम्मेदारियों और पत्नी की लंबी बीमारी के कारण सुनील रस्तोगी काफी समय से मानसिक तनाव में थे। बृहस्पतिवार सुबह उन्होंने अपनी लाइसेंसी राइफल से पत्नी नेहा रस्तोगी को पीठ से सटाकर खुद को गोली मार ली थी। एक ही गोली लगने से दोनों की मौत हो गई थी। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई थी।पीयूष और कृषि ने बताया कि घर में सुख-दुख आते रहते हैं, लेकिन उन्हें इस बात की भनक तक नहीं थी कि उनके माता-पिता अंदर ही अंदर इतना टूट चुके थे। कृषि एक दिन पहले ही नोएडा से घर आई थी। उसने बताया कि वह अपने माता-पिता से ठीक से बात भी नहीं कर सकी थी और इससे पहले ही यह घटना हो गई।घटना के बाद से दोनों भाई-बहन गहरे सदमे में हैं। परिजन लगातार उनके साथ मौजूद हैं और उन्हें अकेला नहीं छोड़ रहे हैं। परिवार के करीबी लोगों का कहना है कि दोनों किसी से ज्यादा बातचीत भी नहीं कर पा रहे हैं।पुलिस को मौके से सुनील रस्तोगी की 15 पेज की डायरी भी मिली थी। डायरी में उन्होंने अवसाद, आर्थिक परेशानियों, पारिवारिक जिम्मेदारियों और पत्नी की बीमारी का जिक्र किया था। उन्होंने लिखा था कि वह लंबे समय से मानसिक तनाव में थे और परिवार पर बोझ नहीं बनना चाहते थे। कोतवाल प्रदीप कुमार ने बताया कि मामले में कई पहलुओं पर जांच की जा रही हैपुलिस क्राइम सीन कराएगी रिक्रिएट- रामपुर जिला पुलिस जल्द ही शाहबाद सुसाइड मामले में क्राइम सीन रिक्रिएट कराएगी। इससे यह पता चलेगा कि कैसे व्यापारी ने सुसाइड किया। एएसपी अनुराग सिंह ने बताया कि क्राइम सीन रिक्रिएट का उद्देश्य घटनाक्रम को स्थापित करना है। इसमें यह पता लगाने की कोशिश की जाएगी कि दोनों ने कैसे आत्महत्या की।कैंसर पीड़ित पत्नी को पीठ से सटा व्यापारी ने चलाई राइफल, दोनों की मौत- रामपुर के शाहबाद कस्बे के मुख्य बाजार में रहने वाले बर्तन व्यापारी सुनील रस्तोगी (50) ने बृहस्पतिवार की सुबह करीब 7.30 बजे पत्नी नेहा रस्तोगी (45) को अपनी पीठ से सटाकर लाइसेंसी राइफल से खुद को गोली मार ली। व्यापारी के सीने से निकली 315 बोर की गोली पीछे मौजूद पत्नी के सीने में जा घुसी।एक गोली से दोनों की मौत हो गई। घटना के तुरंत बाद इसे राइफल साफ करने के दौरान का हादसा बताया गया लेकिन शाम होने तक पुलिस के हाथ वह डायरी लग गई, जिसमें उन्होंने पत्नी को कैंसर होने के बाद से निराशा, आर्थिक तंगी और तनाव से गुजरने की लंबी कहानी लिखी है।पुलिस ने परिजनों के हवाले से बताया कि वह अवसाद से जूझ रहे थे।सुनील रस्तोगी ने पत्नी और खुद को लाइसेंसी राइफल से निशाना बनाने की वारदात को अपने घर की दूसरी मंजिल पर अंजाम दिया।घर में अचानक गोली चलने की आवाज सुनकर नीचे के कमरे (भूतल) में मौजूद सुनील का बेटा पीयूष और बेटी कृषि दौड़कर ऊपरी मंजिल पर पहुंचे। गोली की आवाज से कुछ पड़ोसी भी उनके घर आ गए।सभी ने पति-पत्नी के रक्तरंजित शव देखे। पास में ही उनकी लाइसेंसी राइफल पड़ी थी।उनके हाथ में लोहे का पाइप था, जैसा परदे टांगने में इस्तेमाल होता है। पड़ोसियों की सूचना पर सीओ देवकीनंदन तत्काल मौके पर पहुंचे। कुछ देर में ही रामपुर से एएसपी अनुराग सिंह और एसपी सोमेंद्र मीणा भी व्यापारी के घर पहुंच गए। फोरेंसिक टीम ने मौके से कुछ सैंपल लिए।शाम को एएसपी ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट के हवाले से बताया कि सुनील रस्तोगी ने सीने से सटाकर राइफल चलाई थी। इससे निकली गोली पत्नी नेहा के सीने के पास मिली है। रिपोर्ट में गोली के जो एंगल आए हैं, उसके मुताबिक आत्महत्या करते समय सुनील ने पत्नी को अपनी पीठ के पीछे खड़ा किया हुआ था। एसपी सोमेंद्र मीणा ने बताया कि सुनील के घर से पुलिस को एक डायरी भी मिली है। इसमें उन्होंने निराशा-तनाव और अवसाद में होने की बात लिखी है। उनकी पत्नी कैंसरग्रस्त और खुद गठिया पीड़ित होने की जानकारी भी है। इस बीच व्यापारी के हाथ में पाइप होने के पीछे का मकसद स्पष्ट नहीं हो सका है। इसे लेकर लोग तरह-तरह के कयास लगा रहे हैं।बेटे को श्रवण कुमार बता लिखी पीड़ा अब बोझ नहीं बन सकता, माफ करना- शाहबाद में बर्तन व्यापारी सुनील रस्तोगी ने आत्महत्या से पहले 15 पेज की डायरी लिखी थी। डायरी में उन्होंने अपने अवसाद, पारिवारिक जिम्मेदारियों और पत्नी की बीमारी का जिक्र करते हुए आत्महत्या का इशारा दिया है। उन्होंने लिखा कि लंबे समय से मानसिक तनाव में अपने परिवार पर बोझ नहीं बनना चाहता। डायरी में भतीजे गौरव को संबोधित करते हुए सुनील ने लिखा, प्रिय गौरव राम-राम जुलाई 2024 में अनु की शादी के छह दिन बाद अचानक मेरे कूल्हे में दर्द उठा। इलाज कराने के बाद भी आराम नहीं मिला। परिवार कैसे चलेगा, इसी चिंता में मैं डिप्रेशन में चला गया।024 में उनकी पत्नी की तबीयत खराब हो गई। इसके बाद वह अपने दुखों को नजरअंदाज कर पत्नी के इलाज और काम में लगे रहे। 16 अगस्त 2025 को पत्नी और बेटे के साथ हादसा हो गया, जिसके बाद पत्नी मानसिक रूप से काफी परेशान रहने लगीं। डायरी में उन्होंने लिखा कि बेटा पीयूष पिछले 18 महीने से श्रवण कुमार की तरह माता-पिता की सेवा कर रहा था। उन्होंने लिखा, अब मैं बोझ नहीं बन सकता, इसलिए अपनी पत्नी को भी साथ ले जा रहा हूं। मुझे माफ कर देना पत्नी का हत्यारा और अपने बच्चों का बदनसीब पिता कहलाने का अधिकारी नहीं हूं। डायरी में सुनील ने अपनी पत्नी और बच्चों के प्रति प्रेम का जिक्र करते हुए बेटे को कारोबार सिखाने, बेटी की शादी और जमीन-जायदाद से जुड़ी बातें भी लिखीं। साथ ही रिश्तेदारों और ससुराल पक्ष का भी उल्लेख किया।

रेफरल और लापरवाही के बीच चली गई 44 महिलाओं की जान, 12 की रास्ते में तथा 11 की घर में मौत

मुरादाबाद जिले में अप्रैल 2025 से मार्च 2026 के बीच 44 गर्भवती और प्रसूता महिलाओं की मौत दर्ज हुईं। इनमें 21 मौतें निजी अस्पतालों में, 11 घर पर और 12 रास्ते या रेफर के दौरान हुईं। विशेषज्ञों ने रक्तस्राव, उच्च रक्तचाप, संक्रमण और समय स्वास्थ्य सेवाओं की तस्वीर चिंताजनक है। अप्रैल 2025 दर्ज हुई है। यह सिर्फ आंकड़ा नहीं, बल्कि उस स्वास्थ्य तोड़ रही हैं।दूसरी ओर सरकारी अस्पतालों में एक भी 44 मौतों में से 21 महिलाओं की मौत निजी अस्पतालों दौरान दम तोड़ा।स्वास्थ्य विभाग वर्षों से संस्थागत प्रसव महिलाओं की घर पर मौत यह बता रही है कि ग्रामीण और एएनएम स्तर पर हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की फीका पड़ता दिख रहा है।रिपोर्ट के अनुसार ताजपुर क्षेत्र के दौरान अत्यधिक रक्तस्राव, उच्च रक्तचाप, संक्रमण और समय पर ऑपरेशन न मिलना मातृ मृत्यु की बड़ी वजहें होती हैं। जिले में रास्ते में हुई 12 मौतें बताती हैं कि रेफरल सिस्टम और इमरजेंसी ट्रांसपोर्ट अभी भी बेहद कमजोर है। कई बार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से जिला अस्पताल और वहां से मेडिकल कॉलेज रेफर करने में ही कीमती समय निकल जाता है। हालांकि विभाग ने सीएमओ के द्वारा सभी 44 मामलों की समीक्षा पूरी होने का दावा किया है। विशेषज्ञों का मानना है कि जब तक गांव स्तर पर निगरानी, एंबुलेंस की उपलब्धता, ब्लड बैंक और प्रसूति विशेषज्ञों की व्यवस्था मजबूत नहीं होगी, तब तक सुरक्षित मातृत्व का दावा कागजों में ही सीमित रहेगा। सीएमओ डॉ. कुलदीप सिंह का कहना है कि स्थिति में पहले से काफी सुधार हुआ है। अनुमानित मौतों के सापेक्ष आंकड़ा देखेंगे तो सुधार नजर आएगा। प्रदेश में भी बढ़ गई मातृ मृत्यु दर- एसआरएस (सैंपल रजिस्ट्रेशन सर्वे) की रिपोर्ट के मुताबिक प्रदेश में मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) पिछले वर्षों की अपेक्षा बढ़ गई है। वर्ष 2019-21 में यूपी का एमएमआर 167 था, जो 2020-22 में घटकर 151 और 2021-23 व 2022-24 में 141 तक पहुंच गया था। लेकिन 2023-25 में यह दर फिर बढ़कर 154 हो गई। यानी दो वर्षों तक स्थिर रहने के बाद मातृ मृत्यु दर में 13 मौतों की बढ़ोतरी दर्ज हुई है। दूसरी ओर देश का औसत लगातार घटते हुए 97 से 87 तक पहुंच गया। कहां कितनी गर्भवतियों व प्रसूताओं की मौतें दर्ज- क्षेत्र संख्या- ताजपुर 10 ठाकुरद्वारा 6 डिलारी 5 मूंढापांडे 5 मुरादाबाद नगर 5 कांठ 4 भोजपुर 4 बिलारी 3 कुंदरकी 2 कहां हुईं मौतें निजी अस्पताल 21 घर पर 11 रास्ते/रेफर के दौरान 12

छत के कुंडे से लटका मिला एलएलबी की छात्रा का शव, पुलिस ने कहा- नहीं मिला कोई नोट, हो रही जांच

बिलारी में एलएलबी छात्रा का शव कुंडे से लटका मिला। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाया है। अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल कोई नोट नहीं मिला है।बिलारी के मोहल्ला शांतिपुरम में किराये के मकान में रहकर पढ़ाई कर रही एलएलबी की छात्रा रिंकी (24) का शव छत के कुंडे में दुपट्टे के सहारे से लटका मिला। रिंकी अमरपुरकाशी स्थित ग्रामोदय लॉ कॉलेज में एलएलबी द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा थी। मौके पर पहुंची पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने नमूने जुटाए हैं। शुक्रवार की शाम आई पोस्टमार्टम रिपोर्ट में लटकने से मौत होने की पुष्टि हुई है।पुलिस के मुताबिक, रामपुर जिले के सैफनी थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत दिव्या नगला के मझरा नत्थूवाला निवासी कुंवरपाल सिंह की बेटी रिंकी बिलारी नगर के मोहल्ला शांतिपुरम में ओमवती के मकान में चार माह से किराये पर रहकर एलएलबी की पढ़ाई और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही थी।दो मंजिला मकान के ग्राउंड फ्लोर पर ओमवती अकेली रहती हैं और ऊपरी मंजिल पर किरायेदार रिंकी भी अकेली रहती थी। बताया जा रहा है कि बृहस्पतिवार की रात करीब 12 बजे रिंकी के घरवालों ने उसे फोन किया तब रिंकी का फोन नहीं उठा।रिंकी के भाई छत्रपाल ने अपने मित्र ब्रजपाल को रिंकी को देखने के लिए उसके कमरे पर भेजा। ब्रजपाल मौके पर पहुंचा तो उसने देखा कि कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। आवाज देने और दरवाजा पीटने पर भी जब रिंकी की ओर से कोई जवाब नहीं आया तब ब्रजपाल ने झटका मारकर दरवाजा खोल दिया। कमरे में रिंकी छत के कुंडे में दुपट्टे के सहारे लटकी हुई मिली। मकान स्वामी की सूचना पर बृहस्पतिवार की रात दो बजे बिलारी पुलिस मौके पर पहुंची और सूचना देकर छात्रा रिंकी के परिजनों को बुला लिया। पुलिस की सूचना पर फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य इकट्ठे किए। शुरुआती जांच में छात्रा द्वारा आत्महत्या किए जाने की वजह पता नहीं चल पाई। पोस्टमार्टम के बाद परिजन शव नत्थूवाला मझरा गांव ले गए। एसपी देहात कुंवर आकाश सिंह ने बताया कि कि आत्महत्या का कारण अभी स्पष्ट नहीं हुआ है। मौके से कोई सुसाइड नोट भी नहीं मिला है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में लटकने से मौत होने की पुष्टि हुई है।

संक्षिप्त समाचार

दो पैन कार्ड केसः आजम खां और बेटे अब्दुल्ला की तीन-तीन साल की सजा बढ़ी, जुर्माना भी पांच लाख किया गया

सपा नेता आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम की मुश्किलें दो पैन कार्ड मामले में और बढ़ गई हैं। एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट ने सरकार की अपील मंजूर करते हुए दोनों की सजा सात साल से बढ़ाकर 10-10 साल कर दी है। साथ ही दोनों पर पांच-पांच लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है।सपा नेता आजम खां और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम की

मुश्किलें बढ़ गई है। कोर्ट ने उनकी सजा को तीन साल और बढ़ा दिया है। अब्दुल्ला आजम के दो पैन कार्ड मामले में मजिस्ट्रेट कोर्ट ने नवंबर 2025 में सपा नेता आजम खां और बेटे अब्दुल्ला को सात-सात साल की कैद और 50-50 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई थी।इस मामले में बचाव पक्ष की ओर से सजा के खिलाफ और अभियोजन पक्ष की ओर से सजा बढ़ाने को लेकर एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट में अपील दायर की गई थी। सजा बढ़ाने की अभियोजन पक्ष की अपील की सुनवाई एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट में चल रही है।सजा बढ़ाने से संबंधित अपील पर दोनों पक्षों की ओर से बहस पूरी हो गई है। इस मामले में अभियोजन की ओर से रूलिंग भी दाखिल की गई हैं। कोर्ट अब इस मामले में शनिवार को सुनवाई हुई।सुनवाई के बाद एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट ने सरकार की अपील को मंजूर कर दिया है। कोर्ट ने आजम व अब्दुल्ला की सजा को तीन तीन साल के लिए बढ़ा दिया है। इसके साथ ही अब ही पांच पांच लाख रुपये जुर्माना भी लगाया है। हेट स्पीच में हो चुकी है दो साल की कैद - इससे पहले शनिवार यानि 16 मई को साल 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान रामपुर के डीएम को तनखैया बोलते हुए उनसे जूते साफ कराने का बयान देने पर दर्ज केस में अदालत ने सपा नेता आजम खां को दो साल कैद की सजा सुनाई थी। आजम पर 20 हजार रुपये जुर्माना भी लगाया गया। बेटे के दो पैन कार्ड मामले में सुनाई गई सजा के बाद आजम खां और अब्दुल्ला आजम नवंबर 2025 से जेल में हैं। तत्कालीन डीएम पर बयान के मामले में सजा सुनाए जाने के दौरान पर आजम जेल से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये कोर्ट की कार्यवाही से जुड़े रहे। सपा नेता आजम खां के खिलाफ यह मामला भोट थाना क्षेत्र में दर्ज कराया गया था। आरोप था कि वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान भोट इलाके में उन्होंने जनता के बीच रोड शो में यह बयान दिया था। उस समय का चुनाव सपा-बसपा गठबंधन का था और रामपुर लोकसभा सीट से आजम खां प्रत्याशी थे। बयान देते समय का आजम खां का वीडियो भी वायरल हुआ था।वीडियो वायरल होने के बाद चुनाव आयोग ने राज्य निर्वाचन आयोग से रिपोर्ट तलब की थी। राज्य निर्वाचन आयोग ने जिला निर्वाचन अधिकारी से रिपोर्ट मांगते हुए कार्रवाई के आदेश दिए थे। इस आदेश के बाद चमरौआ विधानसभा क्षेत्र के एआरओ एवं टांडा के एसडीएम घनश्याम त्रिपाठी ने 11 मई 2019 को मुकदमा दर्ज कराया था। मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की थी। एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट में सुनवाई पूरी होने के बाद एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट शोभित बंसल की अदालत ने इस मामले में सपा नेता आजम खां को दोषी करार दिया। इसके बाद कोर्ट ने आजम खां को दो साल की कैद और 20 हजार रुपये जुर्माना अदा करने की सजा सुनाई।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

जनसुनवाई में दिखी डीएम की इंसानियत, किडनी पीड़ित बच्चे को खुद भेजा अस्पताल

क्यूँ न लिखूँ सच/ रिपोर्ट ब्यूरो / कलेक्ट्रेट में अचेत हुए व्यक्ति को भी डीएम अविनाश सिंह ने पहुंचाया जिला अस्पताल बरेली। कलेक्ट्रेट में आयोजित जनता दर्शन के दौरान शनिवार को जिलाधिकारी अविनाश सिंह का संवेदनशील और मानवीय चेहरा देखने को मिला। जनसुनवाई में एक महिला अपने मासूम बच्चे को लेकर पहुंची और बताया कि बच्चे की दोनों किडनी खराब हैं तथा आर्थिक तंगी के कारण इलाज कराना मुश्किल हो रहा है।

महिला ने जिलाधिकारी को बताया कि वह आयुष्मान कार्ड बनवाने आई है ताकि बच्चे का बेहतर इलाज हो सके। मामला सुनते ही जिलाधिकारी ने बिना देर किए तत्काल कार्रवाई की। नो व्हीकल डे होने के बावजूद बाहर से टैम्पो मंगवाकर महिला और उसके बीमार बच्चे को जिला अस्पताल भिजवाया गया। साथ ही अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि बच्चे का बेहतर उपचार सुनिश्चित किया जाए।

जिलाधिकारी ने परिवार को भरोसा दिलाया कि इलाज में हर संभव मदद प्रशासन की ओर से दी जाएगी।

इसी दौरान जिलाधिकारी कार्यालय में मिलने आए एक अन्य व्यक्ति की अचानक तबीयत बिगड़ गई और वह अचेत होकर गिर पड़ा। यह देख जिलाधिकारी अविनाश सिंह तुरंत मौके पर पहुंचे और स्वयं पानी डालकर उसे होश में लाने का प्रयास किया। इसके बाद तत्काल उसे जिला अस्पताल भेजा गया।

इतना ही नहीं, जिलाधिकारी स्वयं भी उस व्यक्ति के साथ जिला अस्पताल पहुंचे और उसका स्वास्थ्य परीक्षण कराया। मुख्य चिकित्साधिकारी ने बताया कि गर्मी के कारण व्यक्ति अचेत हुआ था और अब वह पूरी तरह स्वस्थ है।

प्रवर्तन टीम पर हमला पड़ा भारी ओवरलोड वाहन पकड़ने गई टीम पर जानलेवा हमला : पुलिस ने दबोचा हिस्ट्रीशीटर चालक

क्यूँ न लिखूँ सच/ रिपोर्ट ब्यूरो / बरेली । आंवला क्षेत्र में ओवरलोड वाहनों के खिलाफ चल रहे अभियान के दौरान प्रवर्तन टीम पर हमला करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

बताया जा रहा है कि बरेली-बदायूं बॉर्डर पर परिवहन विभाग की संयुक्त प्रवर्तन टीम ओवरलोड वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान बिना नंबर प्लेट का एक भारी वाहन अत्यधिक मात्रा में रेत लेकर जाता दिखाई दिया। टीम ने वाहन रोकने का इशारा किया, लेकिन चालक वाहन लेकर भागने लगा।

आरोप है कि पीछा करने पर चालक ने सरकारी वाहन में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे सरकारी गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई। इतना ही नहीं, आरोपी ने प्रवर्तन टीम के सदस्यों की जान जोखिम में डालते हुए मौके से फरार होने की कोशिश की।

घटना की सूचना मिलते ही थाना आंवला पुलिस मौके पर पहुंची और संयुक्त कार्रवाई करते हुए आरोपी रियाज को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी रामपुर जनपद का रहने वाला बताया जा रहा है और उसके खिलाफ पहले से भी कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

बरेली पुलिस में बड़ा फेरबदल, SSP अनुराग आर्य ने बदली कई थानों की कमान

क्यूँ न लिखूँ सच/ रिपोर्ट ब्यूरो / कोतवाली, भोजीपुरा, किला, आंवला समेत कई थानों में नए प्रभारी तैनात, साइबर सेल और सर्विलांस में भी बदलाव बरेली। जनपद में कानून व्यवस्था को और अधिक मजबूत करने के उद्देश्य से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य ने बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है। निरीक्षक और उपनिरीक्षकों के तबादले करते हुए कई थाना प्रभारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इस बदलाव के बाद कोतवाली सहित कई थानों की कमान नए अधिकारियों के हाथों में पहुंच गई है।जारी आदेश के अनुसार निरीक्षक धनंजय कुमार पाण्डेय को कोतवाली से हटाकर प्रभारी निरीक्षक साइबर सेल बनाया गया है। वहीं निरीक्षक कुंवर बहादुर सिंह को साइबर सेल से भोजीपुरा थाना प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। भोजीपुरा से निरीक्षक राजीव कुमार सिंह को हटाकर कोतवाली का चार्ज दिया गया है।

उपनिरीक्षक संतोष कुमार सिंह को किला थाना प्रभारी से आंवला थाना प्रभारी नियुक्त किया गया है, जबकि उपनिरीक्षक अचल कुमार को रिजर्व पुलिस लाइन से थाना प्रभारी किला भेजा गया है।

इसके अलावा निरीक्षक राजकुमार सिंह को भोजीपुरा से फतेहगंज पूर्वी का प्रभारी निरीक्षक बनाया गया है। निरीक्षक संतोष कुमार को फतेहगंज पूर्वी से हटाकर हाफिजगंज की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं निरीक्षक प्रवीण कुमार सोलंकी को हाफिजगंज से शिकायत प्रकोष्ठ/आईजीआरएस भेजा गया है। निरीक्षक रवि कुमार को शिकायत प्रकोष्ठ/आईजीआरएस से मीरगंज थाना प्रभारी बनाया गया है, जबकि निरीक्षक संजय तोमर को मीरगंज से सर्विलांस सेल में तैनाती दी गई है। उपनिरीक्षक प्रयागराज सिंह को फतेहगंज पश्चिमी से बहेड़ी में एसएसआई पद पर भेजा गया है।

एसएसपी कार्यालय की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि जनपद में शांति व्यवस्था, अपराध नियंत्रण और बेहतर पुलिसिंग को ध्यान में रखते हुए यह प्रशासनिक बदलाव किए गए हैं।

27 साल के युवक को पड़ा बड़ा हार्ट अटैक , मैक्स हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने बचाई जान

क्यूँ न लिखूँ सच/ रिपोर्ट ब्यूरो / युवाओं में बढ़ते हार्ट अटैक के खतरे को लेकर डॉक्टरों ने किया अलर्ट बरेली । कम उम्र में हार्ट अटैक के बढ़ते मामलों के बीच मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, पटपड़गंज के डॉक्टरों ने 27 वर्षीय युवक की जान बचाकर बड़ी सफलता हासिल की। बरेली निवासी राजेश मौर्य को अचानक सीने में दर्द और बेचैनी हुई, जांच में हार्ट की मुख्य धमनी लेफ्ट मेन कोरोनरी आर्टरी में गंभीर ब्लॉकेज मिला, जिसे विडो मेकर आर्टरी भी कहा जाता है। स्थिति गंभीर होने पर अस्पताल के सी.टी.वी.एस विभाग के सीनियर डायरेक्टर डॉ. वैभव मिश्रा के नेतृत्व में इमरजेंसी बायपास सर्जरी की गई, जो सफल रही। मरीज अब स्वस्थ हो रहा है।

डॉ. वैभव मिश्रा ने कहा कि अब 20-30 वर्ष के युवाओं में भी हार्ट अटैक के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं, जबकि कई मरीजों में डायबिटीज, धूम्रपान या पारिवारिक इतिहास जैसे जोखिम कारक भी नहीं होते। उन्होंने युवाओं से सीने में दर्द, सांस फूलना, ज्यादा पसीना या असामान्य थकान जैसे लक्षणों को नजरअंदाज न करने की अपील की। डॉक्टरों ने नियमित हेल्थ चेकअप, तनाव कम रखने, पर्याप्त नींद और फिटनेस पर ध्यान देने की सलाह दी है।

सीडीओ ने तोड़ा प्रोटोकॉल, नौनिहालों संग जमीन पर बैठ बिखेरा ममता का प्यार

क्यूँ न लिखूँ सच/ रिपोर्ट ब्यूरो / कलारी के स्कूल मेले में दिखा भावुक नजारा, बच्चों को गोद में दुलारती नजर आईं सीडीओ बरेली। विकास खंड बिथरी चैनपुर के ग्राम पंचायत कलारी में शनिवार को बाल विकास परियोजना और प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में स्कूल रेडीनेस मेले का आयोजन हुआ। मेले में उस वक्त भावुक माहौल बन गया, जब मुख्य विकास अधिकारी कु0 देवयानी यादव प्रोटोकॉल भूल बच्चों के बीच जमीन पर बैठ गईं और नौनिहालों को गोद में उठाकर दुलार करती नजर आईं। सीडीओ का यह वात्सल्य भरा रूप देख ग्रामीण गदगद हो उठे।कार्यक्रम का शुभारंभ सीडीओ कु0 देवयानी यादव, डीपीओ मनोज कुमार, सीडीपीओ विमला कुमारी, डॉ शिखा अग्रवाल तथा प्रथम संस्था के पदाधिकारियों ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

मेले में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा लगाए गए आकर्षक स्टालों पर बच्चों के मानसिक विकास से जुड़ी टीएलएम सामग्री, प्री-स्कूल किट और खेल-खिलौने प्रदर्शित किए गए।

सीडीओ ने सभी स्टालों का निरीक्षण कर कार्यकर्ताओं की सराहना की।

खेलकूद और बौद्धिक प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को सीडीओ ने मेडल और उपहार देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि बच्चों की शुरुआती शिक्षा मजबूत होगी तभी समाज और देश का भविष्य उज्ज्वल बनेगा। अभिभावकों से बच्चों को नियमित स्कूल और आंगनबाड़ी भेजने की अपील भी की।

इस दौरान डीपीओ मनोज कुमार और सीडीपीओ विमला कुमारी ने भी शिक्षा और पोषण योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान नसरीन बी, पूजा मिश्रा समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण और अभिभावक मौजूद रहे।

एक सप्ताह से अंधेरे में डूबा रामपुर तुलसीराम, गुस्साए ग्रामीणों ने एसडीओ का किया घेराव

क्यूँ न लिखूँ सच/ बरेली जनपद के ब्लॉक बता क्षेत्र स्थित ग्राम रामपुर तुलसीराम में पिछले एक सप्ताह से ट्रांसफार्मर खराब होने के कारण पूरी तरह ठप पड़ी विद्युत सप्लाई को लेकर ग्रामीणों का आक्रोश आखिरकार शनिवार को फूट पड़ा। लगातार शिकायतों के बावजूद बिजली व्यवस्था बहाल न होने से नाराज दर्जनों ग्रामीणों ने बता सर्विस स्टेशन पहुंचकर जोरदार प्रदर्शन किया और एसडीओ विपुल शुक्ला का घेराव कर तत्काल ट्रांसफार्मर बदलने की मांग उठाई। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव में एक सप्ताह से बिजली सप्लाई बंद पड़ी है, जिससे लोगों का जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया है। भीषण गर्मी के बीच बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि कई बार विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों से शिकायत की गई, लेकिन हर बार केवल आश्वासन ही मिला, धरातल पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। विपुल शुक्ला पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि यदि समय रहते ट्रांसफार्मर बदल दिया जाता तो ग्रामीणों को इतनी परेशानी नहीं झेलनी पड़ती।ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द से जल्द ट्रांसफार्मर बदलकर विद्युत सप्लाई सुचारु नहीं की गई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान बिजली विभाग होश में आओ, गांव की सप्लाई चालू करो जैसे नारे पूरे परिसर में गूंजते रहे। ग्रामीणों का कहना था कि बिजली न होने से पेयजल संकट भी गहरा गया है। घरों में लगे मोटर और सबमर्सिबल बंद पड़े हैं, जिससे लोगों को पानी के लिए भी संघर्ष करना पड़ रहा है। वहीं विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है और रात के समय अंधेरे के कारण ग्रामीणों में असुरक्षा की भावना बनी हुई है। प्रदर्शन के दौरान नन्हेंलाल, कृपाल राम, डाकन लाल, धनुषधारी, अरविंद, दीपक, सतपाल शर्मा, सेवाराम, कांता प्रसाद, संजीव कुमार, अनिल सिंह, शशि भूषण, आनंद मौर्य सहित दर्जनों ग्रामीण मौजूद रहे।

किसानों के संकट में सरकार बनी ढाल, कृषक दुर्घटना में लाभार्थियों को बांटे गए करोड़ों के चेक

क्यूँ न लिखूँ सच/ रिपोर्ट ब्यूरो / बरेली। कलेक्ट्रेट सभागार में शनिवार को मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को सहायता राशि के चेक वितरित किए गए। कार्यक्रम में पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह, वन एवं पर्यावरण मंत्री डॉ. अरुण कुमार समेत कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। मंत्रियों व जनप्रतिनिधियों ने 137 मृतक एवं दिव्यांग कृषकों के आश्रितों को लगभग 6.73 करोड़ रुपये की सहायता राशि वितरित की। इस दौरान बताया गया कि मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना वर्ष 2019 से संचालित है, जिसके तहत दुर्घटना में मृत्यु या दिव्यांगता होने पर किसानों को 1.25 लाख से 5 लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता दी जाती है। कार्यक्रम में बताया गया कि जनपद बरेली में अब तक 1496 कृषक परिवारों को करीब 72.47 करोड़ रुपये की सहायता राशि प्रदान की जा चुकी है। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने कहा कि योजना की ऑनलाइन प्रक्रिया बेहद सरल बनाई गई है ताकि पात्र किसानों को समय पर लाभ मिल सके। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों के साथ प्रशासनिक अधिकारी एवं बड़ी संख्या में लाभार्थी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

डीएम का फिटनेस फॉर्मूला: गाड़ी छोड़ो, कदम बढ़ाओ

क्यूँ न लिखूँ सच/ रिपोर्ट ब्यूरो / बरेली । अब प्रशासन सिर्फ आदेश नहीं बल्कि खुद मिसाल भी पेश करेगा। 'नो व्हीकल डे' के तहत जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने ऐसा संदेश दिया, जिसकी हर तरफ चर्चा हो रही है। शनिवार को डीएम साहब अपने आवास से पैदल चलकर कलेक्ट्रेट पहुंचे और लोगों को ईंधन बचत, पर्यावरण संरक्षण और फिटनेस का संदेश दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रेरणा से जिले में सोमवार और शनिवार को नो व्हीकल डे घोषित किया गया है। डीएम ने अधिकारियों और कर्मचारियों से अपील की है कि सप्ताह में कम से कम दो दिन निजी और सरकारी वाहनों का इस्तेमाल न करें और सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा दें। इस पहल का मकसद सिर्फ पेट्रोल-डीजल बचाना नहीं, बल्कि प्रदूषण कम कर स्वस्थ वातावरण बनाना भी है। अब देखने वाली बात होगी कि डीएम की यह पहल आम जनता और सरकारी कर्मचारियों के बीच कितना बड़ा बदलाव ला पाती है।

25 मई से मिलेगा फ्री राशन – सरकार ने जारी किया बड़ा आदेश, जानिए किसे कितना मिलेगा राशन

क्यूँ न लिखूँ सच/ रिपोर्ट ब्यूरो / बरेली । जून 2026 के सापेक्ष मुफ्त राशन वितरण की तारीखों का ऐलान कर दिया गया है। शासन के निर्देश पर 25 मई से 10 जून 2026 तक राशन की दुकानों पर नि:शुल्क खाद्यान्न वितरण किया जाएगा। खाद्यायुक्त उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा जारी आदेश के अनुसार एनएफएसए के तहत आच्छादित अन्त्योदय और पात्र गृहस्थी लाभार्थियों को मुफ्त राशन दिया जाएगा। अन्त्योदय कार्डधारकों को प्रति कार्ड 14 किलो गेहूं और 21 किलो चावल यानी कुल 35 किलो खाद्यान्न नि:शुल्क मिलेगा।

वहीं पात्र गृहस्थी राशन कार्ड धारकों को प्रति यूनिट 2 किलो गेहूं और 3 किलो चावल यानी कुल 5 किलो राशन मुफ्त वितरित किया जाएगा।

राशन वितरण की अंतिम तिथि 10 जून 2026 निर्धारित की गई है। जिन उपभोक्ताओं का आधार प्रमाणीकरण नहीं हो पाएगा, उन्हें अंतिम दिन मोबाइल ओटीपी वेरिफिकेशन के जरिए राशन उपलब्ध कराया जाएगा।

उचित दर विक्रेताओं को सुबह 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक राशन वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

युवती को गांव का ही युवक अपने साथ लेकर हुआ फरार

क्यूँ न लिखूँ सच/ भुता, । थाना क्षेत्र के एक गांव की युवती को गांव का ही युवक बहला फुसलाकर अपने साथ लेकर फरार हो गया है। पीड़ित पिता ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस मामले की जांच व युवती की तलाश कर रही है। पीड़ित पिता ने बताया मेरी लड़की को गांव का ही युवक रमन कुमार शर्मा पुत्र बृजेश कुमार अपने साथ बहला फुसलाकर लेकर फरार हो गया है। मेरी लड़की घर से अपने साथ नगदी व घर में रखें सोने के आभूषण साथ ले गई है। आरोपी अपने परिवार के साथ रुद्रपुर में रहता है। पीड़ित पिता को अपनी बेटी के साथ किसी अनहोनी होने की आशंका जता रही है। इधर थाना प्रभारी निरीक्षा रविंद्र कुमार ने बताया पीड़ित पिता के तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर लिया है। पुलिस मामले की जांच व युवती की तलाश कर रही हैं।

चौराहे पर लगाए गए प्याऊ से राहगीरों को मिली गर्मी में रहता

क्यूँ न लिखूँ सच/ शेर सिंह/ भुता । भीषण गर्मी और तेज धूप के चलते ब्लॉक कुआंडांडा में बालाजी स्वीट्स के सामने लगाए गए शीतल जल प्याऊ से राहगीरों एवं स्थानीय लोगों के सहयोग की भीड़ लगी रही। राह चलते से अपनी प्यास बुझाई। जेष्ठ के की तपिश के थपेड़ों ने लोगों देखते हुए बालाजी स्वीट्स और ठंडा शरबत पिलाना सबसे बड़ी प्याऊ लगाने से गर्मी के मौसम बड़ी सुविधा मिल रही है। इस को काफी राहत मिली है । समाजसेवियों से लगाए गए इस प्याऊ से दिनभर राहगीरों लोगों ने रूह अफजा पड़ा हुआ ठंडे शरबत महीने में गर्मी अपने चरम पर है। जहां सूरज को बेहाल कर रखा है। भयंकर गर्मी को स्थानीय लोगों ने ऐसे में प्यासो को पानी या सेवा है। स्थानीय लोगों ने बताया इस तरह में यात्रियों मजदूरो और वाहन चालकों को अवसर पर कौशल सक्सेना, गुड्डू गंगवार, शनि कश्यप, नितेश ,महिपाल, राजवीर कश्यप, आदि लोगों का सहयोग रहा

रीवा कलेक्टर से निष्पक्ष जांच की मांग ग्रामीणों ने की पटवारी प्रदीप पटेल की शिकायत

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रदीप कुमार तिवारी कार्यकारी संपादक/ मुआवजा घोटाले का बड़ा आरोप 7 पटवारी पर ग्रामीणों का फूटा गुस्सा, कलेक्टर से निष्पक्ष जांच की मांग मुआवजा निर्धारण में हेराफेरी का आरोप जनप्रतिनिधियों संग ग्रामीणों ने महसांव हल्का पटवारी प्रदीप पटेल के खिलाफ खोला मोर्चा, कलेक्टर से की निष्पक्ष जांच की मांग रीवा-सीधी राष्ट्रीय राजमार्ग चौड़ीकरण के बीच हिस्सा बंटवारे, मुआवजा निर्धारण और कथित भ्रामक खबरों को लेकर गरमाया मामला; ग्रामीणों ने दबाव, मनमानी और मिलीभगत के लगाए आरोप रीवा। गुढ़ तहसील अंतर्गत ग्राम महसांव में भूमि बंटवारे, मुआवजा निर्धारण और कथित प्रशासनिक अनियमितताओं को लेकर विवाद गहराता नजर आ रहा है। जनप्रतिनिधियों सहित ग्रामीणों और प्रभावित भूमि स्वामियों ने महसांव हल्का के पटवारी प्रदीप पटेल के विरुद्ध रीवा कलेक्टर से लिखित शिकायत दर्ज कराते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि राष्ट्रीय राजमार्ग चौड़ीकरण परियोजना के दौरान जमीन के हिस्सा बंटवारे और मुआवजा निर्धारण में मनमानी की गई, जिससे कुछ प्रभावशाली लोगों को लाभ पहुंचाने और गरीब परिवारों के साथ अन्याय करने का प्रयास हुआ।ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि पटवारी के पक्ष में एक कथित चटुकार साथी और व्हाट्सएपिया यूनिवर्सिटी से जुड़े व्यक्ति द्वारा भ्रामक खबर प्रकाशित कर वास्तविक स्थिति को दबाने का प्रयास किया गया। एवं भ्रष्टाचार करने वाले पटवारी के सहयोग में खबर प्रकाशित की गई है। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि प्रभावित भूमि स्वामियों की बात सुने बिना और तथ्यों की पुष्टि किए बिना खबरें प्रकाशित कर ग्रामीणों को बदनाम करने तथा पटवारी को बचाने की कोशिश की गई। ग्रामीणों ने प्रकाशित खबरों का खुलकर खंडन करते हुए उन्हें पूरी तरह निराधार बताया है।

पीड़ित ग्रामीणों के अनुसार उनसे कथित रूप से दबाव बनाकर कुछ दस्तावेजों में हस्ताक्षर कराए गए। कई ग्रामीणों ने कहा कि वे पढ़े-लिखे नहीं हैं, इसलिए कागजात में क्या लिखा था इसकी जानकारी उन्हें नहीं दी गई और न ही किसी कर्मचारी ने दस्तावेज पढ़कर सुनाए। ग्रामीणों का आरोप है कि कुछ अनजान व्यक्तियों ने उनकी तस्वीरें भी लीं, लेकिन उनका उपयोग किस उद्देश्य से किया गया इसकी जानकारी आज तक नहीं दी गई। इसी क्रम में प्रभावित ग्रामीण गया प्रसाद तिवारी ने बताया कि पूरे मामले की सही जानकारी उन्हें किसी अधिकारी अथवा कर्मचारी द्वारा उपलब्ध नहीं कराई गई। उनका कहना है कि प्रक्रिया को पारदर्शी ढंग से न कर बाद में भ्रामक माहौल तैयार किया गया, जिससे वास्तविक पीड़ितों की आवाज दबाई जा सके।

ग्रामीणों द्वारा कलेक्टर को दिए गए आवेदन में उल्लेख किया गया है कि ग्राम महसांव स्थित आराजी क्रमांक 1857/2 की पैतृक भूमि, जिसका हिस्सा पूर्व में परिवार द्वारा आपसी सहमति से उत्तर-दक्षिण दिशा में बांटा गया था, उसे कथित रूप से राष्ट्रीय राजमार्ग चौड़ीकरण और मुआवजा प्रक्रिया के दौरान बिना जानकारी व सहमति के पूर्व-पश्चिम दिशा में प्रदर्शित कर दिया गया। ग्रामीणों का कहना है कि इससे सड़क किनारे की अधिक लाभकारी भूमि कुछ लोगों के पक्ष में जाती दिखाई दे रही है, जबकि अन्य हिस्सेदारों को नुकसान उठाना पड़ रहा है।

शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि कुछ प्रभावशाली लोगों की भूमि को व्यवसायिक (कमर्शियल) श्रेणी में दर्शाकर अधिक मुआवजा निर्धारित किया गया, जबकि गरीब एवं वास्तविक प्रभावित जनसमूह के साथ भेदभावपूर्ण रवैया अपनाया गया। ग्रामीणों का कहना है कि जिन लोगों के मकान, कुएं, रास्ते और आवासीय भूमि सड़क चौड़ीकरण की जद में आ रही है, उन्हें न्यायसंगत मुआवजा नहीं मिल रहा, जिससे उनके सामने भविष्य में आवासीय और आर्थिक संकट खड़ा हो सकता है।

ग्रामीणों ने सवाल उठाया कि क्या अपने हक, हिस्सेदारी और न्यायसंगत मुआवजे की मांग करना गलत है? उनका आरोप है कि पटवारी और खबर चलाने वाले कुछ लोगों की कथित मिलीभगत के जरिए मामले को दबाने तथा भ्रष्टाचार को छिपाने का प्रयास किया जा रहा है। ग्रामीणों ने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच, सीमांकन और वास्तविक स्थिति के आधार पर पारदर्शी मुआवजा निर्धारण की मांग की है।मामले की गंभीरता को देखते हुए रीवा कलेक्टर ने शिकायत प्राप्त होने के बाद जांच का आश्वासन दिया है। अब ग्रामीणों और प्रभावित परिवारों की निगाह प्रशासनिक कार्रवाई पर टिकी हुई है तथा वे उम्मीद कर रहे हैं कि जांच के बाद सच्चाई सामने आएगी और दोषियों के विरुद्ध उचित कार्रवाई सुनिश्चित होगी।

सेमरा में चमत्कारी बाबा का मायाजाल, अंधविश्वास में फंस रहे आदिवासी ग्रामीण

बीमारी ठीक करने और संतान देने के दावे, नारियल-ताबीज के नाम पर वसूली के आरोप

क्यूँ न लिखूँ सच/ बिहारपुर। सूरजपुर जिले के बिहारपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत सेमरा इन दिनों एक तथाकथित चमत्कारी बाबा के कारण चर्चा का केंद्र बना हुआ है। गांव में पहुंचे मुकेश बाबा नामक व्यक्ति को लेकर क्षेत्र में भारी भीड़ उमड़ रही है। बाबा खुद को बनारस का निवासी बताते हैं और दावा करते हैं कि वे भूत-प्रेत बाधा से लेकर कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों तक का इलाज कर सकते हैं।

ग्रामीणों के अनुसार बाबा के दरबार में रोजाना बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं, जिनमें महिलाओं की संख्या अधिक बताई जा रही है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि बाबा द्वारा संतान प्राप्ति का भी दावा किया जा रहा है। लोगों को यह भरोसा दिलाया जा रहा है कि उनकी इच्छा अनुसार लड़का या लड़की संतान मिल सकती है। इसके बदले अलग-अलग रकम ली जा रही है।

नारियल, चुनरी और ताबीज के नाम पर कमाई- ग्रामीणों का आरोप है कि बाबा अपने यहां पूजा सामग्री भी खुद ही बेच रहे हैं। एक नारियल, चुनरी और अगरबत्ती के लिए लोगों से मनमाना पैसा लिया जा रहा है।

इतना ही नहीं, लोगों को यह भी कहा जा रहा है कि बाहर से लाया गया नारियल या पूजा सामग्री काम नहीं करेगी, केवल बाबा द्वारा दी गई सामग्री ही असर करेगी। गले में बांधने के लिए ताबीज भी दिया जा रहा है और दावा किया जा रहा है कि ताबीज नहीं पहनने पर मंत्र काम नहीं करेगा। गांव के लोगों का कहना है कि बाबा रोजाना हजारों रुपए की कमाई कर रहे हैं

और भोले-भाले ग्रामीण अंधविश्वास में फंसकर पैसा खर्च कर रहे हैं। 5 मिनट में बीमारी ठीक का दावा- स्थानीय लोगों के मुताबिक बाबा द्वारा सर्दी, खांसी, निमोनिया से लेकर गंभीर बीमारियों तक को कुछ ही मिनटों में ठीक करने का दावा किया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि कई लोग इलाज की उम्मीद में वहां पहुंच रहे हैं, जबकि डॉक्टरों और अस्पतालों की सलाह को नजरअंदाज किया जा रहा है।

क्षेत्र के जागरूक लोगों ने इसे अंधविश्वास फैलाने वाला मामला बताते हुए चिंता जताई है। उनका कहना है कि गरीब और अशिक्षित आदिवासी परिवार ऐसे झूठे दावों के जाल में आसानी से फंस जाते हैं और आर्थिक रूप से नुकसान उठाते हैं। प्रशासन से जांच की मांग- ग्रामीणों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने प्रशासन से मामले की जांच कर कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि यदि कोई व्यक्ति चमत्कार और बीमारी ठीक करने के नाम पर लोगों से पैसे वसूल रहा है, तो इसकी सत्यता जांचना जरूरी है। जागरूक नागरिकों ने लोगों से अपील की है कि किसी भी प्रकार के अंधविश्वास, झाड़-फूंक या चमत्कार के दावों पर आंख बंद कर भरोसा न करें। गंभीर बीमारियों के लिए अस्पताल और डॉक्टरों की सलाह लेना ही सुरक्षित उपाय है। क्षेत्र में यह मामला अब चर्चा का विषय बना हुआ है और लोग इसे आस्था और अंधविश्वास के बीच की लड़ाई के रूप में देख रहे हैं।

राष्ट्रपति दत्तक पुत्र पंडो जनजाति पर संकट!

क्यूँ न लिखूँ सच/ चांदनी बिहारपुर क्षेत्र में लगातार दो मौतों से दहला वनांचल, स्वास्थ्य व्यवस्था और बदहाल जीवन पर उठे बड़े सवाल बिहारपुर। सूरजपुर जिले के चांदनी बिहारपुर क्षेत्र में राष्ट्रपति दत्तक पुत्र पंडो जनजाति परिवारों पर लगातार दुखों का पहाड़ टूट रहा है। कुछ ही दिनों के भीतर दो पंडो युवकों की मौत ने पूरे वनांचल क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। एक युवक की इलाज के दौरान मौत हुई, जबकि दूसरे की कच्चे मकान में हादसे के बाद जान चली गई। लगातार हो रही घटनाओं ने पहाड़ी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं, आवास व्यवस्था और प्रशासनिक दावों की वास्तविक स्थिति को उजागर कर दिया है। वनांचल क्षेत्र में रहने वाले गरीब आदिवासी परिवारों के बीच अब डर और आक्रोश दोनों देखने को मिल रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि शासन द्वारा विकास और स्वास्थ्य सुविधाओं के बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर आज भी पंडो जनजाति के लोग मूलभूत सुविधाओं से जूझ रहे हैं। -इलाज के लिए अस्पतालों के चक्कर, रास्ते में चली गई जान ,पहली घटना ग्राम पंचायत खोहीर के आश्रित ग्राम बैजनपाठ की है। यहां रहने वाले राष्ट्रपति दत्तक पुत्र पंडो जनजाति के युवक जगधारी पंडो (लगभग 38 वर्ष) को हल्का बुखार और शरीर में जलन की शिकायत हुई थी। परिजन उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिहारपुर लेकर पहुंचे, लेकिन हालत गंभीर बताकर डॉक्टरों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में भी सुधार नहीं होने पर युवक को अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया, लेकिन इलाज के लिए एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल भटकते-भटकते रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। ग्रामीणों का कहना है कि यदि स्थानीय स्तर पर बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध होती, तो जगधारी पंडो की जान बच सकती थी। कच्चे मकान में हादसा, शंकर पंडो की मौत- दूसरी घटना महुली के पंडोपारा की है, जहां शंकर पंडो अपने कच्चे मकान से लकड़ी की कनडी निकाल रहे थे। इसी दौरान मकान का हिस्सा अचानक ढह गया और उनके सिर पर गंभीर चोट लग गई। परिजन तत्काल इलाज के लिए स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, लेकिन उपचार के दौरान उनकी भी मौत हो गई। इस घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर आजादी के इतने वर्षों बाद भी विशेष संरक्षित जनजाति के लोग कच्चे और जर्जर मकानों में रहने को क्यों मजबूर हैं। दो साल पहले पीएचसी की घोषणा, आज भी उप स्वास्थ्य केंद्र ग्रामीणों ने बताया कि महुली उप स्वास्थ्य केंद्र को लगभग दो वर्ष पहले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) बनाने की घोषणा हुई थी। स्वास्थ्य विभाग ने उस समय क्षेत्र में बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने का दावा किया था, लेकिन आज तक स्थिति नहीं बदली। महुली स्वास्थ्य केंद्र अब भी उप स्वास्थ्य केंद्र के रूप में ही संचालित हो रहा है। यहां न विशेषज्ञ डॉक्टर हैं, न पर्याप्त दवाइयां और न ही गंभीर मरीजों के उपचार की व्यवस्था। कोल्हुआ, महुली, चोग, करौटी, खोहीर, कछवारी, जुड़वनिया, रामगढ़, बैजनपाठ, लूल्ह, तेलाईपाठ सहित लगभग दो दर्जन गांवों के ग्रामीण इसी स्वास्थ्य केंद्र पर निर्भर हैं। गंभीर मरीजों को बिहारपुर, जिला अस्पताल या अंबिकापुर रेफर कर दिया जाता है, जिससे समय पर इलाज नहीं मिल पाता। पंडो परिवारों में दहशत, ग्रामीणों में भारी नाराजगी- लगातार दो मौतों के बाद पंडो परिवारों में भय और असुरक्षा का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि पहाड़ी क्षेत्रों में न स्वास्थ्य सुविधा है, न सुरक्षित आवास और न ही आपातकालीन व्यवस्था। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग केवल घोषणाएं करता है, लेकिन दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासी परिवारों की समस्याओं पर गंभीरता से काम नहीं किया जाता। ग्रामीणों की मांग – स्वास्थ्य सुविधा और सुरक्षित आवास मिले घटना के बाद ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि महुली उप स्वास्थ्य केंद्र को तत्काल पूर्ण प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बनाया जाए, स्थायी डॉक्टरों की नियुक्ति की जाए और गंभीर मरीजों के लिए 24 घंटे इलाज एवं एंबुलेंस सुविधा उपलब्ध कराई जाए। साथ ही पंडो जनजाति परिवारों को सुरक्षित पक्के मकान उपलब्ध कराने की मांग भी तेज हो गई है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते व्यवस्था नहीं सुधरी, तो दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों में रहने वाले गरीब आदिवासी परिवार इसी तरह असमय मौत का शिकार होते रहेंगे।

संक्षिप्त समाचार

श्याम स्टोन क्रेशर पर गंभीर सवाल- नियमों की धज्जियां या विभागीय संरक्षण का खेल?

क्यूँ न लिखूँ सच/ मानस मिश्रा / सिंगरौली। जिले में संचालित स्टोन क्रेशरों और पत्थर खदानों को लेकर लगातार उठ रहे सवालों के बीच अब श्याम स्टोन क्रेशर भी विवादों के घेरे में आ गया है। क्षेत्रीय ग्रामीणों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों का आरोप है कि पर्यावरणीय नियमों एवं खनिज विभाग की शर्तों की खुले आम अनदेखी के बावजूद जिम्मेदार विभाग कार्रवाई करने के बजाय मौन दर्शक बने हुए हैं। इससे विभागीय संरक्षण और मिलीभगत की चर्चाएं तेज हो गई हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार क्रेशर संचालन के दौरान धूल नियंत्रण, नियमित पानी छिड़काव, हरित पट्टी विकास, प्रदूषण नियंत्रण उपकरणों का संचालन तथा भारी वाहनों के सुरक्षित संचालन जैसी अनिवार्य शर्तों का पालन कागज़ों तक सीमित दिखाई देता है। क्षेत्र में उड़ती धूल से ग्रामीणों को सांस संबंधी परेशानियां होने लगी हैं, वहीं खेतों, पेड़ों और आबादी वाले इलाकों पर भी इसका प्रतिकूल असर पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि निष्पक्ष और वास्तविक जांच कराई जाए तो कई गंभीर अनियमितताएं सामने आ सकती हैं। आरोप यह भी है कि भारी वाहनों की आवाजाही से ग्रामीण सड़कें क्षतिग्रस्त हो रही हैं, लेकिन खनिज विभाग और संबंधित अधिकारी कार्रवाई के नाम पर केवल औपचारिकता निभा रहे हैं। निरीक्षण रिपोर्ट सार्वजनिक क्यों नहीं?- सबसे बड़ा सवाल यह खड़ा हो रहा है कि यदि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और खनिज विभाग नियमित निरीक्षण करते हैं, तो अब तक कोई ठोस कार्रवाई क्यों नहीं हुई? क्या निरीक्षण सिर्फ फाइलों और कागज़ों तक सीमित हैं? यदि नियमों का पालन हो रहा है तो निरीक्षण रिपोर्ट सार्वजनिक क्यों नहीं की जाती? जानकारों का कहना है कि कई मामलों में विभागीय अधिकारी केवल औपचारिक निरीक्षण कर अनुपालन रिपोर्ट लगा देते हैं, जबकि मौके की वास्तविक स्थिति अलग होती है। यही वजह है कि अब विभागीय भूमिका भी सवालों के घेरे में आ गई है। ग्रामीणों के सवाल, जिनका जवाब अब तक नहीं - यदि धूल नियंत्रण व्यवस्था नहीं है तो कार्रवाई क्यों नहीं? ,- यदि पर्यावरणीय शर्तों का उल्लंघन हो रहा है तो नोटिस और सीलिंग की कार्रवाई क्यों नहीं हुई? - यदि भारी वाहन नियम तोड़ रहे हैं तो खनिज विभाग मौन क्यों है? - यदि प्रदूषण फैल रहा है तो प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड अब तक निष्क्रिय क्यों है? इन्हीं सवालों ने अब पूरे मामले को संदेह के घेरे में ला दिया है और क्षेत्र में विभागीय संरक्षण की चर्चाएं तेज हो गई हैं। संयुक्त जांच और सख्त कार्रवाई की मांग- ग्रामीणों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने जिला प्रशासन से मांग की है कि - श्याम स्टोन क्रेशर सहित क्षेत्र की सभी क्रेशर इकाइयों की संयुक्त जांच कराई जाए, - प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, खनिज विभाग एवं राजस्व विभाग की टीम मौके पर निरीक्षण करे, - ड्रोन सर्वे एवं वास्तविक उत्पादन की जांच कराई जाए, - निरीक्षण रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए, - नियम उल्लंघन पाए जाने पर एफआईआर दर्ज कर संचालन निरस्तीकरण की कार्रवाई की जाए। अब देखने वाली बात यह होगी कि जिला प्रशासन इन गंभीर आरोपों को कितनी गंभीरता से लेता है। क्या निष्पक्ष जांच होगी या फिर यह मामला भी अन्य शिकायतों की तरह फाइलों में दबकर रह जाएगा?

आंगनबाड़ी केन्द्रों के 03 से 06 आयु वर्ष के बच्चों हेतु 15 जून तक अवकाश घोषित

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / पीलीभीत / जिला कार्यक्रम अधिकारी युगल किशोर सांगुड़ी ने बताया कि जिलाधिकारी महोदय के अनुमोदन दिनांक 20.5.2026 एंव प्राथमिक व जूनियर विद्यालयों में अवकाश के दृष्टिगत जनपद के समस्त आंगनबाड़ी केन्द्रों के 03 से 06 आयु वर्ष के बच्चों हेतु 15 जून तक अवकाश घोषित किया जाता है। उक्त अवधि में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एंव सहायिकाओं के द्वारा समुदाय आधारित गतिविधियों, टीकाकरण, राशन वितरण सहित विभागीय / अन्य योजनाओं के संचालन सहित अन्य विभागीय / शासकीय कार्यो में पूर्व की भांति प्रतिभाग किया जायेगा। इस अवधि में नवचयनित सहायिकाओं को सेक्टर एवं परियोजना स्तर पर प्रशिक्षित किया जायेगा।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

नटेरन के शासकीय सांदीपनि विद्यालय, नटेरन में व्यावसायिक शिक्षा के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन जॉब ट्रेनिंग कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

क्यूँ न लिखूँ सच/ हाकम सिंह रघुवंशी/ नटेरन यह प्रशिक्षण 20 दिनों तक नियमित रूप से संचालित होगा, जिसमें विद्यार्थी उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं। प्रशिक्षण के माध्यम से विद्यार्थियों को वास्तविक कार्यस्थल का अनुभव प्राप्त हो रहा है। आईटी एवं आईटीईएस विषय के विद्यार्थियों की ओजेटी साई कंप्यूटर ऑनलाइन में चल रही है। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को ऑनलाइन सेटिंग, दस्तावेज अपलोड करना, आवेदन प्रक्रिया, डाटा एंट्री, प्रिंटिंग तथा स्कैनिंग से संबंधित कार्यों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यह प्रशिक्षण आईटी शिक्षक अंशुज धाकड़ के मार्गदर्शन में संचालित हो रहा है।वहीं ब्यूटी एंड वेलनेस विषय के विद्यार्थियों की ओजेटी ुल्हन ब्यूटी पार्लर में चल रही है। विद्यार्थी ब्यूटी केयर, स्किन केयर, हेयर स्टाइलिंग एवं फेस मेकअप तकनीकों का अभ्यास कर रहे हैं। यह प्रशिक्षण ब्यूटी एंड वेलनेस शिक्षिका पूजा अग्रवाल के मार्गदर्शन में संचालित हो रहा है।विद्यालय द्वारा बताया गया कि ऐसे रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण आगे भी आयोजित किए जाएंगे। इन प्रशिक्षणों से विद्यार्थियों में आत्मनिर्भरता एवं व्यावसायिक कौशल का विकास होगा।

संयुक्त निगरानी समिति द्वारा जिला कारागार का निरीक्षण किया

क्यूँ न लिखूँ सच/ आज संयुक्त निगरानी समिति द्वारा जिला कारागार का निरीक्षण किया गया, जिसमें सुरक्षित बचपन की निगरानी समिति के समस्त सदस्यों द्वारा जिला कारागार में सुरक्षित बचपन के तहत चिन्हित बच्चों के सम्बन्ध में निरीक्षण किया गय, जिसमें समिति द्वारा बच्चों की समस्त आवश्यकताओं की समीक्षा की गयी। बच्चों को स्वास्थ्य, शिक्षा, योजनाओं से लाभान्वित किये जाने हेतु जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, ए0सी0एम0ओ, (बाल रोग विशेषज्ञ) को समिति द्वार निर्देश दिये गयें। वर्तमान में 04 बच्चे अपने माता के साथ संवासित है, उनकी आई0सी0पी0 का फॉलोअप तथा बच्चों की समय.समय पर काउसलिंग कराये जाने हेतु जिला बाल संरक्षण अधिकारी को निर्देशित किया गया तथा अपर जिलाधिकारी प्रशासन द्वारा जिला कारागार में संवासित महिला बन्दी के परिवार में घर पर रह रहे बच्चों को योजना से जोडने हेतु आवश्यक दस्तावेजो को सम्बन्धित जिलाधिकारी से समन्वय स्थापित कर दस्तावेज तैयार कराये के साथ विभागीय योजना से लाभान्वित किये जाने की कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी प्रशासन अरुण कुमार, जिला प्रोबेशन अधिकारी अभय कुमार, जिला कार्यक्रम अधिकारी, मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 मोहन झॉ, अध्यक्ष बाल कल्याण समिति नन्द किशोर पाठक, संरक्षण अधिकारी रवि कुमार संरक्षण अधिकारी प्रीती कौशल सामाजिक कार्यकता भमरपाल सिंह अधीक्षक जिला कारागार राजेन्द्र कुमार, अनन्या अत्री उप अधीक्षक कारागार उपस्थित रहें।

राजेंद्र विश्वकर्मा,फ्लड लाइट में गूंजा रोमांच, ताहरपुरा की टीम ने दिखाया दम

माधोगढ़ विधानसभा प्रीमियर नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट के तीसरे दिन तीनों मुकाबले रहे बेहद रोमांचक

क्यूँ न लिखूँ सच/ कोंच (जालौन)। ग्राम तीतरा खलीलपुर स्थित एमएसडी महाविद्यालय के ग्राउंड में आयोजित माधोगढ़ विधानसभा प्रीमियर नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट के तीसरे दिन शुक्रवार रात खेले गए तीनों लीग मुकाबले रोमांच से भरपूर रहे। चौकों और छक्कों की बरसात के बीच हजारों क्रिकेट प्रेमियों ने खिलाड़ियों का जोरदार उत्साहवर्धन किया।

क्षेत्रीय विधायक मूलचंद्र सिंह निरंजन के आयोजकत्व में चल रहे इस नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट में उरई सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा, माधोगढ़ विधायक मूलचंद्र सिंह निरंजन एवं भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष रामेंद्र सिंह सेंगर बतौर अतिथि पहुंचे। अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर टॉस कराया और मैचों का शुभारंभ किया। सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा ने फ्लड लाइट्स में बेहतरीन व्यवस्थाओं के बीच टूर्नामेंट आयोजन की सराहना करते हुए विधायक मूलचंद्र सिंह निरंजन को बधाई दी। आयोजन समिति प्रमुख आशु निरंजन महतवानी के नेतृत्व में समिति सदस्यों ने अतिथियों का स्वागत-सम्मान किया। पहला मुकाबला- ताहरपुरा ने तीतरा इलेवन को हराया- पहला मैच बजरंग क्रिकेट क्लब ताहरपुरा और तीतरा इलेवन के बीच खेला गया। कप्तान सागर प्रजापति की अगुवाई में पहले बल्लेबाजी करते हुए ताहरपुरा टीम ने निर्धारित 8 ओवर में 3 विकेट खोकर 59 रन बनाए। जवाब में कप्तान पंकज यादव की तीतरा टीम 9 विकेट गंवाकर मात्र 39 रन ही बना सकी। ताहरपुरा के गेंदबाज समीर खान ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट झटके और मैन ऑफ द मैच बने। दूसरा मुकाबला- बरोदा टीम की शानदार जीत- दूसरा मैच खकसीस इलेवन और इलेवन स्टार बरोदा के बीच खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए खकसीस टीम ने 8 विकेट पर 48 रन बनाए। जवाब में कप्तान पवन निरंजन के नेतृत्व में बरोदा टीम ने 5 ओवर 2 गेंद में 3 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। ऑलराउंडर खिलाड़ी मनीष ने 12 रन बनाने के साथ 3 विकेट भी लिए और मैन ऑफ द मैच चुने गए। तीसरा मुकाबला- एक रन से जीता ताहरपुरा- दिन का सबसे रोमांचक मुकाबला बजरंग क्रिकेट क्लब ताहरपुरा और इलेवन स्टार बरोदा के बीच हुआ। बरोदा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। ताहरपुरा टीम ने 7 विकेट खोकर 69 रन बनाए। जवाब में बरोदा टीम 3 विकेट पर 68 रन ही बना सकी और सिर्फ एक रन से मुकाबला हार गई। ताहरपुरा के ऑलराउंडर रोहित ने 13 रन बनाने के साथ एक विकेट भी लिया और मैन ऑफ द मैच बने। तीनों मैचों के मैन ऑफ द मैच खिलाड़ियों को शील्ड एवं 500-500 रुपये नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। अंपायरिंग की जिम्मेदारी सूरज त्रिपाठी और शिशिर कुमार ने निभाई। कमेंट्री प्रदीप धनौरा एवं विकास पटेल ने की, जबकि स्कोरर की भूमिका अभिजीत चौहान, राज ठाकुर और सोमेंद्र चमरसेना ने निभाई। ऑनलाइन लाइव प्रसारण में मानस मिश्रा, विमल और अर्पित की अहम भूमिका रही। मैदान, पिच और अन्य व्यवस्थाओं में आयोजन समिति प्रमुख आशु निरंजन के निर्देशन में आकाश निरंजन छानी, अंकित पटेल, आकाश, नेहरू, हिमांशु, पंकज, जीतू और राज सहित कई सदस्य सक्रिय रहे।

सम्पूर्ण थाना समाधान दिवस में डीएम-एसपी का सख्त संदेश, फरियादियों को बार-बार न लगवाएं चक्कर, गांव-गांव जाकर करें समाधान

क्यूँ न लिखूँ सच/ पवन कुमार/ लेखपालों को चेतावनी, खतौनी व सरकारी भूमि का पूरा विवरण लेकर आएं, लापरवाही पर एसडीएम-तहसीलदार तक होगी कार्रवाई जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने शनिवार को कोतवाली आटा सभागार में आयोजित सम्पूर्ण थाना समाधान दिवस में दूर-दराज से पहुंचे फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना तथा संबंधित अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। समाधान दिवस में कुल 11 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 09 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर राहत प्रदान की गई, जबकि शेष 02 प्रकरणों में राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम गठित कर मौके पर भेजे जाने के निर्देश दिए गए। इन शिकायतों में चकरोड पर मिट्टी डाले जाने तथा हैंडपंप से संबंधित मामले आए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि आज ही मौके पर जाकर शिकायतों का समाधान सुनिश्चित कराया जाए।जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारियों, तहसीलदारों एवं लेखपालों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस एवं सम्पूर्ण थाना समाधान दिवस में आने वाले प्रत्येक प्रकरण के संबंध में खतौनी, सरकारी भूमि एवं अन्य आवश्यक अभिलेख अनिवार्य रूप से साथ लाए जाएं। उन्होंने कहा कि यदि कोई लेखपाल आवश्यक अभिलेखों के बिना पाया गया तो संबंधित लेखपाल के साथ-साथ संबंधित एसडीएम एवं तहसीलदार की जवाबदेही भी तय की जाएगी।उन्होंने राजस्व विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि पैमाइश, कुर्रा फांट, चकरोड एवं भूमि विवाद से जुड़े सभी लंबित प्रकरणों का 15 दिनों के भीतर अभियान चलाकर निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जहां भूमि विवाद की स्थिति हो वहां तत्काल चिन्हांकन कर राजस्व व पुलिस विभाग की संयुक्त टीम बनाकर समाधान कराया जाए, ताकि आमजन को बार-बार तहसील और थाने के चक्कर न लगाने पड़ें।जिलाधिकारी ने लेखपालों को निर्देशित किया कि प्रत्येक गांव में पैमाइश, चकरोड, कुर्रा फांट एवं हैंडपंप से संबंधित समस्याओं की ग्रामवार सूची तैयार की जाए तथा टीम बनाकर गांव-गांव पहुंचकर मौके पर ही समस्याओं का निस्तारण किया जाए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा है कि लोगों को उनके दरवाजे पर ही न्याय मिले और शिकायतों का वास्तविक समाधान सुनिश्चित हो। जिलाधिकारी ने फार्मर रजिस्ट्री अभियान की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जनपद में लगभग 88 प्रतिशत किसानों की फार्मर रजिस्ट्री पूर्ण हो चुकी है, जबकि शेष 12 प्रतिशत किसानों को अभियान चलाकर 15 जून तक संतृप्त किया जाए। उन्होंने लेखपालों को निर्देशित किया कि कोई भी पात्र किसान फार्मर रजिस्ट्री से वंचित न रहे, क्योंकि भविष्य की अधिकांश किसान हितैषी योजनाओं का लाभ फार्मर रजिस्ट्री के माध्यम से ही उपलब्ध कराया जाएगा। इस अवसर पर तहसीलदार कालपी, प्रभारी निरीक्षक आटा, राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

थाना समाधान दिवस में एसडीएम और सीओ ने समस्याएं सुनी

क्यूँ न लिखूँ सच/ कोंच(जालौन)। आज शनिवार को कोतवाली परिसर में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया इस थाना समाधान दिवस में एसडीएम हेमंत पटेल और पुलिस क्षेत्राधिकारी परमेश्वर प्रसाद ने आये हुये फरियादियों की समस्याओं को सुना और उनके निस्तारण के निर्देश दिये इस अवसर पर आज नो शिकायती पत्र दर्ज किये गये जिनमें तीन शिकायती पत्रों का निस्तारण होना बताया गया है शेष शिकायती पत्रों के समय से निस्तारण के अधिकारियों ने निर्देश दिये इस मौके पर कोतवाल ब्रजेश बहादुर सिंह एसएसआई विमलेश कुमार यादव खेड़ा चौकी के प्रभारी शिव नारायण वर्मा मंडी चौकी के प्रभारी नीतीश कुमार सदर लेखपाल दिग्विजय सिंह अखलेश कुशवाहा अक्षय यादव सहित कई राजस्व और पुलिस विभाग से जुड़े कर्मचारी मौजूद रहे

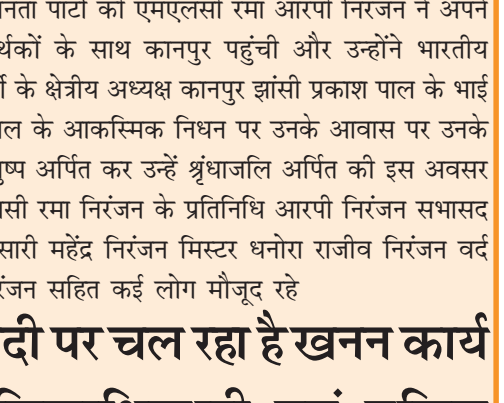

एमएलसी रमा आरपी निरंजन ने कानपुर पहुंचे

क्यूँ न लिखूँ सच/ पवन कुमार/ भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल के भाई का निधन पर शोक जताया कोंच(जालौन)। भारतीय जनता पार्टी की एमएलसी रमा आरपी निरंजन ने अपने पार्टी समर्थकों के साथ कानपुर पहुंची और उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय अध्यक्ष कानपुर झांसी प्रकाश पाल के भाई श्री राम पाल के आकस्मिक निधन पर उनके आवास पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रृंधाजलि अर्पित की इस अवसर पर एमएलसी रमा निरंजन के प्रतिनिधि आरपी निरंजन सभासद शादाब अंसारी महेंद्र निरंजन मिस्टर धनोरा राजीव निरंजन वर्द नितिन निरंजन सहित कई लोग मौजूद रहे

देव नदी पर चल रहा है खनन कार्य का जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा औचक निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / पीलीभीत / जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह एवं पुलिस अधीक्षक माधव सुकीर्ति मिश्रा द्वारा

जनपद पीलीभीत के ग्राम पकड़िया नौगवां स्थित देवहा नदी क्षेत्र में संचालित साधारण बालू (द्वितीय) के 65 वर्षीय स्वीकृत पट्टे का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान संबंधित पट्टा क्षेत्र का गहन अवलोकन करते हुए विभिन्न बिंदुओं का परीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी महोदय द्वारा पाया गया कि पट्टा क्षेत्र में स्थापित समस्त सीमा स्तम्भ अपने निर्धारित स्थान पर स्थापित हैं। साथ ही साधारण बालू (द्वितीय) के परिवहन हेतु निर्धारित प्रपत्र ई-एम0एम0-11 के माध्यम से ही परिवहन कार्य किया जा रहा था। निरीक्षण के समय स्वीकृत पट्टा क्षेत्र के अतिरिक्त किसी अन्य स्थान पर खनन अथवा परिवहन की कोई गतिविधि नहीं पाई गई। मौके पर खान निरीक्षक, पीलीभीत एवं पट्टाधारक के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। जिलाधिकारी महोदय द्वारा खान निरीक्षक को निर्देशित किया गया कि खनन कार्य केवल स्वीकृत पट्टा क्षेत्र से ही कराया जाए तथा समय-समय पर संबंधित पट्टा क्षेत्र का निरीक्षण कर प्रभावी निगरानी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि किसी भी स्थिति में अवैध खनन एवं अवैध परिवहन की गतिविधियां न होने पाएं तथा इस संबंध में सतत निगरानी रखी जाए। उन्होंने कहा कि जनपद में अवैध खनन एवं परिवहन के विरुद्ध प्रशासन की कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

भीषण गर्मी से बेहाल जालौन, बाजारों में पसरा सन्नाटा

क्यूँ न लिखूँ सच/ पवन कुमार/ जालौन। जनपद में लगातार बढ़ रही भीषण गर्मी और तेज धूप ने जनजीवन को पूरी तरह प्रभावित कर दिया है। सुबह 9 बजे के बाद से ही सूर्य की तपिश इतनी तेज हो जा रही है कि लोग घरों से बाहर निकलने से बच रहे हैं। दोपहर के समय सड़कों और बाजारों में सन्नाटा पसरा दिखाई दे रहा है। केवल जरूरी कामकाज के लिए ही लोग घरों से बाहर निकल रहे हैं। नगर के प्रमुख बाजार झंडा चौराहा बैठगंज, नझाई बस स्टैड, छोटी सब्जी मंडी देवनगर सहित अन्य चौराहों पर दिनभर लोगों की आवाजाही काफी कम देखने को मिली। तेज लू और गर्म हवाओं के चलते लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गर्मी से बचने के लिए लोग घरों में ही दुबके रहने को मजबूर हैं। शाम करीब 5 बजे के बाद ही मौसम में थोड़ी राहत मिलने पर लोग बाहर निकलते नजर आ रहे हैं।

भीषण गर्मी का असर केवल लोगों पर ही नहीं बल्कि पशु-पक्षियों पर भी साफ दिखाई दे रहा है। पानी और छांव की तलाश में पशु इधर-उधर भटकते नजर आ रहे हैं, वहीं पक्षी भी गर्म हवाओं से बेहाल दिखाई दे रहे हैं। दोपहर के समय सड़कों पर घूमने वाले आवारा पशुओं की संख्या भी कम हो गई है।

चिकित्सकों ने लोगों को तेज धूप में बाहर निकलने से बचने, पर्याप्त मात्रा में पानी पीने और आवश्यक होने पर ही घर से बाहर निकलने की सलाह दी है। लगातार बढ़ते तापमान के कारण आम जनमानस में चिंता का माहौल बना हुआ है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

ucknow Nearby Tourist Places: Only 2,000 rupees in your pocket? You can still visit these beautiful places around Lucknow

There are many places around Lucknow where you can enjoy a trip with a budget of just 2,000 rupees. These include places like Naimisharanya, Ayodhya, Dudhwa National Park, Kanpur, and Nawabganj Bird Sanctuary. These places offer a great experience of sightseeing, dining, and photography at a low cost. Everyone wants to travel, but often budget constraints prevent people from planning a trip. Students and working people, in particular, are often looking for places that offer a good travel experience at a low cost. There are many places near Delhi NCR where you can go for a budget trip, but if you want to start your journey from Lucknow, the capital of Uttar Pradesh, where should you go for a budget trip? If you live in Lucknow and are planning a weekend getaway, the good news is that there are many wonderful places around the city where you can easily complete a trip for just 2000 rupees. The special feature of these places is that the cost of reaching them is low, yet you can enjoy natural beauty, religious tranquility, or adventure. Some offer jungle safaris, while others offer historical and religious sites. These places are perfect for those planning a memorable trip with friends, family, or a partner on a budget. If you too want to experience a wonderful travel experience at a low cost, today we will tell you about some places near Lucknow that can be easily visited for 2000 rupees. Great places to visit near Lucknow for 2000 rupees - Naimisharanya - Considered the holiest place in Uttar Pradesh, Naimisharanya is about 90 km from Lucknow. Here you can experience a unique sense of peace and spirituality. Naimisharanya is renowned for its religious and natural beauty. Chakratirtha, the Gomti River, and ancient temples are worth visiting here. It's easily accessible by bus or bike at a low cost. This place is considered an excellent one-day trip. Ayodhya - For a wonderful religious trip on a budget, visit Ayodhya. The number of visitors to Ayodhya has increased rapidly since the construction of the Ram Temple. It's also a very affordable way to reach here from Lucknow by train or bus. The evening aarti at the Saryu Ghat and the beauty of the temples make the trip memorable. The delicious street food is also a major attraction. Dudhwa National Park - For a thrilling jungle safari experience, head to Dudhwa National Park in and around Lucknow. For those who love nature and wildlife, Dudhwa National Park is a great option. It offers up-close views of deer, elephants, and many rare birds. This place is quite popular for road trips with friends. Affordable hotels and guest houses are also available nearby for budget accommodation. Bithoor - Kanpur, just a few hours away from Lucknow, has many places to visit. But you can visit Bithoor, situated on the banks of the Ganges. A trip here on a budget will be memorable. In Bithoor, you can bathe at the Ganges Ghat, go boating, and visit several ghats of historical and mythological significance. Brahma Ji created the universe at Brahmavarta Ghat on the banks of the Ganges. It was here that he gave birth to Manu and Shraddha. Additionally, there is Dhruva Tila, where Dhruva, in his childhood, meditated for 99 years to sit in the lap of God. The birthplace of Luv Kush and the ashram of sage Valmiki are also located in Bithoor. A trip here can easily be completed for less than 2,000 rupees. Nawabganj Bird Sanctuary - Nawabganj Bird Sanctuary, now known as Shaheed Chandrashekhar Azad Bird Sanctuary, is located in Unnao district on the Lucknow-Kanpur Highway. It is a 43 km journey from Lucknow. This place is home to over 250 species of migratory birds. This bird sanctuary is a great place for nature lovers. If you're looking for peace and tranquility away from the hustle and bustle of the city, head to Nawabganj Bird Sanctuary. It boasts lush greenery, lakes, and a variety of birds. This low-budget destination is considered excellent for photography and picnics.

How dangerous is the combination of tea and cigarettes? If you read this news, you'll quit today.

Young people often enjoy the combination of tea and cigarettes. Whenever they have a little free time at the office, they go out to smoke a cigarette with tea. Let's find out how dangerous this is. Today, the combination of tea and cigarettes is becoming a common habit in office and social life, especially among young people. Many people prefer to smoke a cigarette with tea to take a short break from work, considering it a way to reduce stress. However, this habit can gradually prove to be extremely dangerous for the body. According to experts, consuming tea and cigarettes together negatively impacts many parts of the body. Initially, this habit may seem normal, but gradually it becomes an addiction. Therefore, it is important to understand how harmful this combination is and what effects it has on the body. 1. Effect on the heart - Cigarettes contain nicotine, which increases heart rate and blood pressure. The caffeine in tea also provides mild stimulation. When both are combined, pressure on the heart increases. This can increase the risk of high blood pressure and heart-related problems in the long term. 2. Effect on the lungs - Cigarette smoke is the most damaging to the lungs. It can cause inflammation in the airways and reduce oxygen absorption. Tea doesn't directly harm the lungs, but the habit of consuming cigarettes with it increases smoke exposure. 3. Addiction - Both nicotine and caffeine affect the brain and affect dopamine release. This creates a pattern in the brain that having a cigarette with tea is part of a rest or break. Gradually, this habit can strengthen and become an addiction. 4. Effect on the digestive system - Consuming tea and cigarettes on an empty stomach can increase stomach acid. This can cause problems like acidity, gas, and heartburn. In the long run, it can also weaken the stomach lining. 5. Mental effects - Initially, this combination seems to reduce stress, but this effect is temporary. Later, as nicotine and caffeine wear off, restlessness, irritability, and mood swings may increase.

Patna District Administration Issues Order, Schools Closed for Classes Up to Fifth; Timings Changed for Other Classes

Patna is experiencing a scorching heat, afflicting everyone. Children are suffering the most. While many schools have closed due to the intense heat and humidity, many remain open. Now, the Patna District Magistrate has issued a new order. The Patna District Administration has suspended educational activities for classes up to Class Five. It has also ordered changes to educational activities for classes 6 through 8. Patna District Magistrate Dr. Tyagarajan S.M. issued a letter stating that the high temperatures prevailing in the district, especially the intense heat during the afternoon, are likely to adversely affect the health and lives of children. Therefore, under Section 163 of the Indian Civil Service Code, 2023, educational activities for classes up to Class Five in all private and government schools, including preschools and Anganwadi centers, will be completely prohibited. Additionally, academic activities for classes 6 through 8 will only be conducted until 10:30 a.m. As per the order of Patna Court District Magistrate Dr. Tyagarajan S.M., all school managements have been directed to reschedule academic activities in accordance with the order. Those found violating the order will face action. This order will be in effect from May 22nd to May 26th.

Ananya Panday's "Chand Mera Dil" has had a great opening, find out how "Drishyam 3" and "Pati Patni Aur Woh Do" fared.

Ananya Panday's "Chand Mera Dil" has been released in theaters. Let's find out how "Chand Mera Dil" opened on its first day compared to other films, and how much the other films collected. Ananya Panday's "Chand Mera Dil" marks a new entry at the box office this Friday. Mohanlal's "Drishyam 3" is also a new release. Among these new releases, films like "Karuppu," "Pati Patni Aur Woh Do," and "Raja Shivaji" are still in the pipeline. Let's find out how last Friday went for all these films. "Chand Mera Dil" - Ananya Panday and Lakshya's "Chand Mera Dil" is this Friday's new release. The film has received mixed reviews from critics. Now, the film's first-day collections have been revealed. Ananya's film had a slow start with ?2.90 crore on its first day. Now it remains to be seen whether the film can perform well over the weekend. Drishyam 3 - Mohanlal's "Drishyam 3" is one of this year's most anticipated films. The film had a strong opening at the box office with ?15.85 crore. However, on the second day, Friday, the film's earnings saw a decline. On the second day, "Drishyam 3" collected ?11.05 crore, which is less than its first day's earnings. This brings the film's total collection to ?26.90 crore. Pati Patni Aur Woh Do - Ayushmann Khurrana's "Pati Patni Aur Woh Do," starring three heroines, earned ?29 crore in its first week. Now, the film's second week has had a slow start. On Friday, its eighth day, "Pati Patni Aur Woh Do" earned only ?1.35 crore. This brings the film's total collection to ?30.35 crore. Krishnavatharam Part 1 - Amidst these newly released films across various genres, "Krishnavatharam Part 1," depicting the Raas Leela of Lord Krishna, continues its strong run in its third week. On Friday, its 16th day, the film earned ?82 lakh. Earlier, on Thursday, the film's collection was ?1.11 crore. The film's total earnings in 16 days have reached ?25.42 crore. Raja Shivaji - Riteish Deshmukh's "Raja Shivaji" has completed three weeks at the box office and is now in its fourth week. The film also earned ?60 lakh on its 22nd day, Friday. Thus, the film's total collection in 22 days has reached ?89.55 crore.

"Telling such a great story is a huge moral responsibility," why did Nitesh Tiwari call Ranbir's "Ramayana" scary?

Ranbir Kapoor's "Ramayana" has been in the news ever since its announcement. Now, Nitesh Tiwari spoke with Ranbir Kapoor about the film. Find out why he called it scary... Director Nitesh Tiwari, who made films like "Dangal" and "Chhichhore," is currently in the news for his much-awaited upcoming film "Ramayana." Starring Ranbir Kapoor and Yash, the film is scheduled for release on Diwali this year. Earlier, on Nitesh Tiwari's birthday, yesterday, "Ramayana" producer Namit Malhotra shared a video in which Nitesh Tiwari talks about the film. He describes it as frightening, challenging, and inspiring. "Ramayana" has been a wonderful journey. Namit Malhotra shared a video on Instagram wishing Nitesh Tiwari a happy birthday. In the video, Ranbir Kapoor and Nitesh Tiwari are talking. Ranbir asks the director, "Nitesh sir, as a director, what did you think when Namit offered you the opportunity to direct Ramayan?" Nitesh Tiwari replies, "Scary, challenging, and inspiring, all at the same time. Scary because, you know, telling a great story like Ramayan is a huge moral responsibility. You have to tell it as accurately as possible. Inspiring because the world I was shown was absolutely amazing. I never had any doubt in my mind that we wouldn't be able to achieve it. Ramayan was a great story, and with the support and backing of names like Namit Malhotra and Dan, you would have grabbed it with both hands. That's how this journey began. I think it was about six years ago. I can say it's been a wonderful journey. I don't think I could have made a better decision." Posting the video, Namit wished Nitesh a happy birthday and said that it's difficult to describe his long journey. He wrote, "Nitesh Sir, as everyone calls you. Wishing you a very happy birthday and may the coming year be the best for you in every way. We've had a journey that's hard to describe. Working so closely with you has been one of the best experiences of my life. I've learned so much from you, and it's been a joy to see how clearly and calmly you handle everyone and everything. Your understanding of any subject, your ease with storytelling, and your way of bringing it to life are amazing. I truly admire your vision. May you find immense strength in bringing this greatest story of our country to the people of the world with positive energy and enthusiasm." The first part of "Ramayana" will release on Diwali - Directed by Nitesh Tiwari, "Ramayana" is scheduled to release in two parts. The first part of the film is scheduled to release on Diwali this year. The film stars Ranbir Kapoor as Lord Rama, Sai Pallavi as Sita Mata, Sunny Deol as Hanuman, and Ravi Dubey as Lakshman. Apart from this, a big star cast will be seen in the film, which also includes many big names.

Deepika Singh adopts a new look for the show, reminding users of Indian cricketer Arshdeep Singh.

Actress Deepika Singh has become the talk of the town with a new video. This video is going viral on social media. In it, she is dressed as a cricketer. Let's find out what the whole story is about. Actress Deepika Singh is a well-known face on TV. In addition to acting, she is quite active on social media, sharing many of her latest updates. Recently, she shared a new video on Instagram. This video is very popular with her fans, and many have commented on it. What's in the video? In the video shared by Deepika Singh, she can be seen dressed as a cricketer. She looks happy while getting her makeup done. She is seen batting and bowling on the field. While sharing the video, the actress wrote in the caption, "Mangal's new style. Mandeep Pa ji's swag. Bolo Tara Rara. Raat mein laagegi aag." 9:30 pm. Users liked Deepika Singh's look. Deepika Singh's fans are liking this video. Many users have commented on it. Many users have compared her look to cricketer Arshdeep Singh. One user wrote, "Cute Sardar Ji. You are very nice." Another user wrote, "The cutest Sardar ever." Another user wrote, "My Mangal looks so cute." Another user wrote, "Your face is so beautiful. And you do such tricks." Another user wrote, "Plump Arshdeep Singh." Which show will Deepika be seen in? Let us tell you that Deepika Singh appears in the TV show "Mangal Lakshmi." It is said that she will be seen playing cricket in the upcoming show. Her new look in the new show will be similar. This episode will air tonight on Colors TV at 9:30 pm. Deepika Singh's work - Deepika Singh became famous with the TV show "Diya Aur Baati Hum." After this, she appeared in several shows. Currently, she is seen in "Mangal Lakshmi." In addition to TV shows, Deepika Singh has appeared in the Punjabi film "Work Weather Wife" and the Hindi film "Titu Ambani."